LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 15 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने पुलवामा हमले के बलिदानियों को किया नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई नेताओं ने वर्ष 2019 में आज ही के दिन पुलवामा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पोस्ट में कहा, "मैं पुलवामा आतंकवादी हमले में प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सुरक्षाकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान देश की स्मृति में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। उनका बलिदान हर नागरिक को एक मजबूत और सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनकी निष्ठा, दृढ़ संकल्प और सेवा हमारे सामूहिक चेतना में सदा के लिए अंकित रहेगी। प्रत्येक भारतीय उनके अदम्य साहस से प्रेरणा लेता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि उनका अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान मातृभूमि की सुरक्षा के प्रति हमारे अटूट संकल्प का अमर प्रतीक है। भारत उनकी शौर्यगाथा को स्मरण करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर दृढ़ है और राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा के लिए पूर्णतः संकल्पित है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और भारत इसके समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित है। आतंकवाद का सामना करने वाले हमारे सुरक्षा बलों एवं सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और बलिदान का देश सदैव ऋणी रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनका बलिदान हमारे देश के लिए आतंकवाद से उत्पन्न गंभीर खतरों की याद दिलाता है। भारत आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने और उसे जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प पर अडिग है। हमारी सरकार भारत को सुरक्षित और संरक्षित बनाने के अपने सामूहिक संकल्प को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत माता की रक्षा में वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत अपने वीर पुत्रों को सलाम करता है। हम सब एकजुट होकर उनकी स्मृति में खड़े हैं और उनके बलिदान के लिए सदा ऋणी रहेंगे। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि उनके बलिदान ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की हमारी नीति को और मजबूत किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले में शहीद मां भारती के वीर जवानों को और उनके शौर्य एवं बलिदान को कोटि-कोटि नमन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका अदम्य साहस और अटूट निष्ठा हमारी सामूहिक स्मृति में सदा अंकित रहेगी। उनका सर्वोच्च बलिदान अमर रहेगा। हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान, अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा सदैव राष्ट्र को प्रेरित करती रहेगी। हम उनकी वीरता को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को दोहराते हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

रहमान के नेतृत्व वाले बांग्लादेश से खासी उम्मीदें

बांग्लादेश के आम चुनाव परिणामों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक कोरी डायरी पेश कर दी है। इसमें नई सरकार के काम-काज के साथ ही उनके असर को बिंदुवार रेखांकित किया जा सकेगा। दरअसल तारिक रहमान की 17 वर्ष बाद स्वदेश वापसी और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की निर्णायक जीत ने सत्ता संतुलन बदल दिया है। यह चुनाव जुलाई 2024 की हिंसक उथल-पुथल और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे शासन के अंत के बाद हुआ। स्वाभाविक है कि अब सबकी नजर नई सरकार की कथनी और करनी के साथ ही साथ विदेश नीति पर है। सवाल यही कि क्या ढाका नई दिल्ली के करीब आएगा या बीजिंग और इस्लामाबाद की ओर झुकेगा? वैसे भी भारत के लिए यह सवाल केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व का है।

याद करें जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के दमन के खिलाफ मुक्ति संग्राम छिड़ा, तब भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय सेना के हस्तक्षेप, शरणार्थियों को आश्रय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन ने स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए भारत-बांग्लादेश संबंध केवल पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं, बल्कि साझा इतिहास, बलिदान और सांस्कृतिक निकटता से जुड़ा है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की दृढ़ कूटनीतिक और सैन्य रणनीति ने पाकिस्तान को 13 दिनों के युद्ध में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वक्त बदला और हालात भी बदले लेकिन भारत ने कभी भी बांग्लादेश के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव कभी नहीं किया। हर समय कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का काम किया, आर्थिक मदद प्रदान करने से भी पीछे नहीं हटा।

यही वजह रही कि जैसे ही बीएनपी की बंपर जीत सामने आई नई दिल्ली ने तेजी से पहल करते हुए बधाई संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश की कामना की। यह संदेश औपचारिक जरूर था, लेकिन इसके निहितार्थ स्पष्ट थे, भारत पिछले डेढ़ वर्ष की अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सक्रियता और अल्पसंख्यकों पर हमलों जैसी चिंताओं को पीछे छोड़ स्थिर संबंध चाहता है। गौरतलब है कि बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। निर्वासन के लंबे काल के बाद उनकी वापसी ने जनता में उत्साह पैदा किया है। चुनाव प्रचार के दौरान उनका मेरे पास बांग्लादेश के लिए एक योजना है वाला संदेश नई शुरुआत का संकेत था।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शनिवार को कहा कि सरकार महिलाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत की यात्रा में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसकी बानगी इस बार के बजट 2026 में परिलक्षित होती है जिसमें महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए 5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी शनिवार को यहां विज्ञान भवन में महिला सुरक्षा को लेकर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। विज्ञान भवन में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि शी-बॉक्स पोर्टल ने महिलाओं के लिए कार्यस्थल से जुड़ी शिकायतें दर्ज करना आसान बना दिया है। कई कार्यस्थलों ने इस केंद्रीकृत पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत किया है। मंत्री ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि शी-बॉक्स महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत सुरक्षित और गोपनीय रूप से दर्ज करने का सशक्त माध्यम है। यह पहल महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने कहा कि महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देशभर में 1.48 लाख से अधिक संस्थान शी बॉक्स पोर्टल पर पंजीकृत हैं और 60,000 से अधिक आंतरिक समितियां सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

'हैदराबादी परेशानी को यूपी में घुसने मत देना', वरना 'वो खुद भी डूबेगी हमें भी डुबो देगी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने नई बहस छेड़ दी है। इस वीडियो में कांग्रेस अध्यक्ष, पार्टी सांसद इमरान मसूद को संसद परिसर में यह कहते नजर आ रहे हैं कि 'हैदराबादी परेशानी को उत्तर प्रदेश में घुसने मत देना', वरना 'वो खुद भी डूबेगी और हमें भी डुबो देगी।' इस वीडियो से सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है, जहां ज्यादातर यूजर्स इसे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से जोड़कर देख रहे हैं। वीडियो में खड़गे इमरान मसूद से यह कहते दिख रहे हैं, 'हैदराबादी परेशानी को यूपी में मत घुसने दो। वह खुद बर्बाद हो जाएगा और हमें भी बर्बाद कर जाएगा। तुम जानते हो– हैदराबाद शहर तीन चीजों के लिए मशहूर है– एक शेरवानी, बिरयानी और तीसरी परेशानी।' खड़गे ने इस दौरान सीधे तौर पर किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यूजर्स का मानना है कि उनका इशारा ओवैसी और उनकी पार्टी एआईएमआईएम की ओर था, जो हैदराबाद से ताल्लुक रखती है। कुछ लोगों का कहना है कि कांग्रेस यूपी में ओवैसी या उनकी पार्टी के असर से सतर्क रहना चाहती है, क्योंकि इससे विपक्षी वोटों का बंटवारा हो सकता है। एक्स पर कई यूजर्स ने वीडियो साझा करते हुए सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस को किस 'हैदराबादी परेशानी' से डर है।

तेलंगाना, गुजरात और महाराष्ट्र से जुड़ी सड़क परियोनाओं को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तेलंगाना, गुजरात और महाराष्ट्र से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं पर कुल 11 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे संबंधित राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शुक्रवार को सड़क परिवहन से जुड़ी तीन परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी। इस फैसले की जानकारी शनिवार को केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में दी। पहली परियोजना तेलंगाना में हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेलूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को 4 लेन तक चौड़ा करने से जुड़ी है। परियोजना की कुल लंबाई 80.01 किलोमीटर है और इसपर 3175.08 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के धमासिया-बिटाडा/मोवी और नासरपुर-मालोथा खंडों को चार लेन में अपग्रेड किया जाएगा। परियोजना की लंबाई 107.67 किमी है और इसपर कुल पूंजी लागत 4583.64 करोड़ रुपये खर्च आएगा। महाराष्ट्र में एनएच-160ए के घोटी – त्रिमबक (मोखाड़ा) – जव्हर – मनोर – पालघर खंड का पुनर्वास और उन्नयन किया जाएगा। इस खंड को 2 लेन और 4 लेन का बनाया जाएगा और इसमें पक्की शोल्डर सुविधा भी होगी। इसकी कुल लंबाई 154.635 किमी और कुल पूंजी लागत 3320.38 करोड़ रुपये है।

केंद्र ने रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रेलवे की 18,509 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को शनिवार को मंजूरी प्रदान की। इन परियोजनाओं में कासारा–मनमाड तीसरी और चौथी लाइन, दिल्ली–अंबाला तीसरी और चौथी लाइन तथा बल्लारी–होसपेटे तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से रेलवे की लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा।

शहरी चुनौतियों के लिए बनेगा एक लाख करोड़ का कोष

नई दिल्ली। केंद्र सरकार शहरों में विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये का शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) लेकर आई है। इससे शहरों के लिए बनी विकास परियोजनाओं पर लागत का 25 प्रतिशत केंद्रीय सहायता के तौर पर दिया जाएगा। शर्त यह रहेगी की 50 प्रतिशत लागत को बाजार से जुटाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस फैसले की जानकारी आज केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शहरी विकास दृष्टिकोण को अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटाकर बाजार-संबद्ध, सुधार-संचालित और परिणाम-उन्मुख अवसंरचना निर्माण की ओर अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब सेवा तीर्थ में होंगी कैबिनेट बैठकें, नॉर्थ-साउथ ब्लॉक बनेंगे 'युगे युगेन भारत संग्रहालय' का हिस्साः वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बताया कि साउथ ब्लॉक में केंद्रीय मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक संपन्न हो चुकी है और अब सभी कैबिनेट बैठकें 'सेवा तीर्थ' में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को 'युगे युगेन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' का हिस्सा बनाया जाएगा। वैष्णव ने यहां पत्रकार वार्ता में केंद्रीय कैबिनेट और सीसीए बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संकल्प लिया है कि नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को 'युगे युगेन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' के रूप में विकसित किया जाएगा, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेगा तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत की ऐतिहासिक गुलामी से 'विकसित भारत' की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक बताया। साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक का निर्माण अंग्रेजों के काल में हुआ था। स्वतंत्रता के बाद से प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक से संचालित होता रहा। इस परिसर ने देश के 16 प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में लिए गए अनेक ऐतिहासिक निर्णयों को देखा है। वैष्णव ने कहा कि साउथ ब्लॉक कि विभाजन, युद्ध, आपातकाल जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है। यहीं से डिजिटल गवर्नेंस की ओर लंबी छलांग लगी और अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह भवन अनेक ऐतिहासिक निर्णयों का केंद्र रहा। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे व्यापक सुधारों को इसी परिसर से दिशा मिली। साथ ही अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक कानून, सर्जिकल स्ट्राइक और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्णय भी यहीं से लिए गए। मंत्री ने कहा कि आधुनिक, तकनीक-संपन्न और पर्यावरण-अनुकूल कार्यस्थल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 'सेवा तीर्थ' की स्थापना की गई है, जो कर्मयोगियों की कार्यक्षमता और सेवा भाव को और सुदृढ़ करेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शासन के केंद्र को औपनिवेशिक अतीत से 'सेवा तीर्थ' में स्थानांतरित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिल्ली का उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन अब हुआ सेवा तीर्थ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के नए कार्यालय 'सेवा तीर्थ' के उद्घाटन के बाद अब उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से सेवा तीर्थ कर दिया गया है। मेट्रो स्टेशन पर सेवा तीर्थ स्टेशन की घोषणा के साथ-साथ गेटों पर शनिवार को सेवा तीर्थ के साइन बोर्ड भी लगा दिए गए। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन के नाम बदलने का ऐलान शुक्रवार को सेवा तीर्थ भवन के उद्घाटन के दौरान किया था। उन्होंने कहा था कि नाम बदलने का मकसद स्टेशन की पहचान को 'सेवा तीर्थ भवन' से जोड़ना है। इससे लोगों को सेवा तीर्थ भवन पहुंचने में कोई परेशान भी नहीं होगी। मौजूदा उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की येलो लाइन पर स्थित है।

ट्रेड डील से किसानों, डेयरी उत्पादकों या ग्रामीण रोजगारों को नुकसान नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री गोयल ने भारत-अमेरिका के बीच समझौते को लेकर दिया आश्वासन

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आश्वासन दिया है कि भारत और अमेरिका का नया व्यापार समझौता भारत के किसानों, डेयरी उत्पादकों या ग्रामीण रोजगारों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे किसानों के साथ फर्जी बातचीत करके झूठ फैला रहे हैं। गोयल ने कहा कि ये सब स्क्रिप्टेड है और किसानों के हितों को मोदी सरकार ने पूरी तरह सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि सोया मील और मक्का पर कोई छूट नहीं दी गई है, इसलिए किसानों को कोई नुकसान नहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेब और अखरोट पर भी उन्होंने कहा कि राहुल के वीडियो में कुछ लोग कह रहे हैं कि आयात से किसान बर्बाद हो जाएंगे, लेकिन गोयल ने कहा कि कांग्रेस के समय भी बहुत आयात होता था, फिर अब क्यों झूठ बोल रहे हो। पीएम मोदी हमेशा किसानों के साथ हैं, कई स्कीम्स लाए हैं जैसे आत्मनिर्भर भारत, किसान सुरक्षित, देश विकसित। केंद्रीय मंत्री ने ट्रेड डील समझौते पर पहले भी ये जानकारी दी है कि इस डील से दोनों ही देशों को फायदा होगा। अमेरिका ने कई भारतीय उत्पादों पर जो टैरिफ पहले 50 फीसदी तक लगाए हुए थे, उन्हें घटाकर अब सबके लिए एक समान 18 फीसदी कर दिया है। इस फैसले से भारत को कई दूसरी प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अमेरिका में बहुत कम टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। मतलब हमारे निर्यात करने वाले सामान अब अमेरिकी बाजार में पहले से ज्यादा आसानी से और सस्ते दाम पर बिक सकेंगे।

पिछले दस वर्षों में न्यायाधीशों के खिलाफ 8 हजार से ज्यादा शिकायतें मिलीं

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कानून मंत्री ने अपने लिखित जवाब में दी जानकारी

केंद्र सरकार ने लोकसभा में जानकारी दी है कि पिछले दस वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ कुल 8,630 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को एक लिखित उत्तर में यह जानकारी देते हुए बताया कि ये सभी शिकायतें भारत के मुख्य न्यायाधीश को अग्रेषित की गईं।मंत्री के अनुसार, कुल शिकायतों में से लगभग 50 प्रतिशत वर्ष 2022 से 2025 के बीच दर्ज की गई हैं, जिससे हाल के वर्षों में शिकायतों की संख्या में वृद्धि का संकेत मिलता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायाधीशों के खिलाफ प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक निर्धारित 'इन-हाउस' प्रक्रिया लागू है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 1997 में स्थापित इस इन-हाउस प्रक्रिया के तहत भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के खिलाफ आने वाली शिकायतों पर विचार करते हैं। वहीं, संबंधित उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश अपने-अपने न्यायालय के न्यायाधीशों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हैं। कानून मंत्री ने कहा कि सरकार को यदि किसी न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत प्राप्त होती है तो उसे आगे की कार्रवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश या संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भेज दिया जाता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता संविधान में निहित है और शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया न्यायपालिका की आंतरिक व्यवस्था के माध्यम से ही संचालित होती है। इन-हाउस प्रक्रिया के अंतर्गत न्यायिक जीवन के मूल्यों और आचरण संबंधी मानकों को परिभाषित किया गया है, जिनका पालन सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा किया जाना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, सरकार की केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से भी शिकायतें प्राप्त होती हैं। यह एक ऑनलाइन मंच है, जहां नागरिक किसी भी सार्वजनिक प्राधिकरण के विरुद्ध सेवा वितरण से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

कोटा-जयपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ट्रेलर में पीछे से टकराई, पांच की मौत

नई दिल्ली। जयपुर के चाकसू में शनिवार तड़के कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे-52 पर एक तेज रफ्तार कार ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में मारे गए सभी लोग मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। चाकसू पुलिस स्टेशन के एसएचओ के मुताबिक हादसा शनिवार सुबह करीब 5:30 बजे चाकसू में टिगरिया मोड़ के पास हुआ। कार मध्य प्रदेश से जयपुर की ओर जा रही थी, तभी ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे गाड़ी आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई और लाशें अंदर बुरी तरह फंस गईं। बताया जा रहा है कि एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मरने वालों की पहचान अखिलेश श्रीवास्तव की पत्नी रेशमा श्रीवास्तव, राजेश राय के बेटे पीयूष राय, बबलू रजक के बेटे रजक राहुल और ड्राइवर अनुराग के तौर पर हुई है। पांचवें मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। रजक राहुल जबलपुर शहर का रहने वाला था। हादसे की वजह से नेशनल हाईवे पर बड़ा जाम लग गया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन के विस्तार कॉरिडोर को मिली मंजूरी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन (नोएडा) तक 11.56 किलोमीटर लंबाई के 8 स्टेशनों वाले विस्तारित कॉरिडोर को मंजूरी दी। इस गलियारे के चालू होने पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 61.62 किलोमीटर का सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क हो जाएगा। यह परियोजना शहर में मेट्रो रेल नेटवर्क का एक बड़ा विस्तार है। इस चरण का उद्देश्य नोएडा के प्रमुख क्षेत्रों को सुचारू रूप से एकीकृत करना है। इनमें सेक्टर-142 स्थित एडवेंट बिजनेस पार्क, सेक्टर-98 स्थित स्काईमार्क वन मॉल और सेक्टर-93 स्थित मॉल ऑफ नोएडा जैसे वाणिज्यिक केंद्र, माइक्रोसॉफ्ट (धारा 145), टीसीएस (धारा 157), हैवल्स (धारा 126) जैसी प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियां और आईटी हब, सेक्टर-125 में एमिटी विश्वविद्यालय, सेक्टर-91 में पंचशील बालक इंटर कॉलेज और सेक्टर-44 में महामाया बालिका इंटर कॉलेज जैसे शैक्षणिक संस्थान, महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में बॉटनिकल गार्डन और सेक्टर-93 पार्क शामिल हैं। सरकार के मुताबिक यह न केवल कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक गतिविधि को भी बढ़ावा देगा और रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा तथा सामान्य परिवहन से संबंधित निवासियों और यात्रियों दोनों के लिए शहरी गतिशीलता को आसान बनाएगा।

शाहबाद डेयरी में युवती से मारपीट, पिता-पुत्र गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी इलाके में पड़ोसियों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। रास्ता रोककर एक 24 वर्षीय युवती के साथ कथित तौर पर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 12 फरवरी को थाना शाहबाद डेयरी को झगड़े की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक घायल युवती को अस्पताल ले जाया जा चुका था। अस्पताल में युवती का मेडिकल कराया गया, जिसमें चोटें शारीरिक हमले के अनुरूप पाई गईं। अस्पताल में दर्ज बयान में युवती ने आरोप लगाया कि 12 फरवरी की शाम करीब 6:30 बजे शाहबाद डेयरी स्थित अखाड़ा के पास वह अपने घर जा रही थी। इसी दौरान मोहम्मद कादिर और उसके पिता रवि अहमद ने उसका रास्ता रोका और मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। शिकायत और एमएलसी के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जांच के दौरान आरोपित मोहम्मद कादिर (21) और उसके पिता रवि अहमद (52) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि इससे पहले भी आरोपित कादिर और पीड़िता के भाई हरिया के बीच मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। फिलहाल जांच में किसी भी तरह का सांप्रदायिक एंगल सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि यह मामला एक ही इलाके में रहने वाले पड़ोसियों के बीच आपसी झगड़े का है। आरोपितों से पूछताछ जारी है और मामले की जांच की जा रही है।

हैदरपुर नहर में मिला क्षत-विक्षत शव, सिर और हाथ-पैर गायब

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। रोहिणी जिले के केएन कार्टजू मार्ग थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हैदरपुर वाटर कैनाल से एक अज्ञात युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। शव की हालत इतनी खराब थी कि उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी हुई है। राहेणी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने शनिवार को बताया कि 13 फरवरी की सुबह करीब 8:46 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि हैदरपुर नहर के पहले जाल के पास एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां करीब 30 से 35 वर्ष के युवक का शव बरामद हुआ। शव का सिर, दोनों पैर (कूल्हे से) और दोनों हाथ (कलाई से) कटे हुए थे और मौके पर मौजूद नहीं थे। दोनों हाथों पर पुराने कट के निशान भी पाए गए। शुरुआती जांच में शव एक से दो दिन पुराना बताया जा रहा है। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया गया है। इस संबंध में थाना केएन कार्टजू मार्ग हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क कर रही है और तकनीकी सर्विलांस के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

दुबई से ठगी का नेटवर्क चला रहा आरोपित गोवा से गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने 61.72 लाख रुपये के फर्जी शेयर बाजार निवेश घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस मामले में लंबे समय से फरार चल रहे रोहनक जगदीश भाई ठक्कर को पुलिस ने गोवा के मोपा एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। वह दुबई से इस ठगी के नेटवर्क को चला रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि वर्ष 2024 में ठगी का मुकदमा क्राइम ब्रांच में दर्ज किया गया था। शिकायत राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने दी थी। उसे "ग्लोब कैपिटल मार्केट लिमिटेड" कंपनी के नाम पर ठगा गया। आरोपितों ने उसे व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर शेयर बाजार में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद उससे 61,72,000 रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बाद में पता चला कि मोबाइल ऐप और पूरा सिस्टम फर्जी था।

ऐसे घुमाया गया पैसा: पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि ठगी की रकम सबसे पहले जूनागढ़ (गुजरात) की एक फर्जी फर्म और श्रीनगर (कश्मीर) की दूसरी फर्म के खातों में डाली गई। इसके बाद रकम को कई अन्य खातों में तेजी से ट्रांसफर कर दिया गया, ताकि पुलिस तक पहुंचना मुश्किल हो जाए। मुंबई, सूरत और अहमदाबाद में छापेमारी कर कई आरोपितों को पकड़ा गया। अब तक इस मामले में 17 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस ने 81 सिम कार्ड, 24 मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेज, रबर स्टांप, चेक बुक और अन्य डिजिटल सबूत भी बरामद किए हैं। वहीं जांच में पता चला कि गिरोह का मुख्य सरगना कृष भाई शाह दुबई में बैठा है, जिसे इस मामले में घोषित अपराधी किया जा चुका है। रोहनक उसी के कहने पर भारत में फर्जी बैंक खाते खुलवाता था और ठगी की रकम इधर-उधर करवाता था। इसके बदले उसे कमीशन मिलता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को सूचना मिली थी कि रोहनक गोवा आने वाला है। टीम ने तकनीकी निगरानी के आधार पर 5 फरवरी 2026 को उसे मोपा एयरपोर्ट से पकड़ लिया। अदालत से ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे दिल्ली लाया गया।

दिल्ली में 'घर वापसी: क्यों और कैसे' पुस्तक का लोकार्पण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शनिवार को चंद्रकांता राजेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट ने "घर वापसी: क्यों और कैसे" पुस्तक का लोकार्पण किया। इस पुस्तक के लेखक दिवंगत राजेश्वर हैं। यह कार्यक्रम सुरुचि प्रकाशन और चंद्रकांता राजेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस दौरान, दिवंगत राजेश्वर को श्रद्धांजलि दी गई और उनके अनुकरणीय कार्यों व विचारों को याद किया गया। इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अध्यक्ष संबोधन में कहा कि धर्मांतरण को रोकना है और घर वापसी को बढ़ाना है। प्राचीन समय से हिंदू समाज ने अपनी रक्षा के लिए कुछ व्यवस्थाएं की हैं। विश्व को श्रेष्ठ बनाने पर जोर दिया है। जहां धर्मांतरण तेजी से हो रहा है वहां पर विश्व हिंदू परिषद ने अपने 800 से अधिक धर्मरक्षकों की नियुक्त की है। उनके लगन और मेहनत से पिछले वर्ष में एक लाख लोगों की घर वापसी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले पांच सालों में घरवापसी करने वालों की संख्या में वृद्धि होगी। आलोक ने अपने धर्म के साथ-साथ अन्य धर्मों को भी समझने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मर्यादा और कानून का पालन स्वधर्म की रक्षा, इसका प्रसार, इसकी वापसी और अपना विजय अभियान, इस धर्मांतरण को रोकने और घर वापसी को तेज करने की पाठ्य पुस्तक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय सह-प्रमुख (धर्म जागरण समन्वय विभाग) अरुण कांत ने अपने युवाओ से आग्रह किया कि धर्मांतरण को रोकने और घर वापसी के लिए हिंसा का मार्ग नहीं अपनाना है बल्कि सामने वाले की विषम परिस्थितियों को समझना, अपना सद्व्यवहार और हिंदू संस्कृति को ध्यान में रखना है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल के युवा क्रोधरहित रहकर इस कार्य को आगे बढ़ाएं। इस मौके पर रजीनश के परिवार के सदस्य, सुरुचि प्रकाशन के प्रबंध न्यासी रजनीश जिंदल, सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य अतिथिगण मौजूद रहे।

हेलमेट बनाने की फैक्टरी में भीषण आग

लोकतंत्र की शाननई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुडंका थाना क्षेत्र के निलौठी इलाके में शनिवार दोपहर एक हेलमेट बनाने की फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग फैक्टरी से दूर हट गए। देखते ही देखते आग ने फैक्टरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे फायर कंट्रोल रूम को फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए एक-एक कर कुल 20 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का काम जारी था। फैक्टरी के अंदर रखे ज्वलनशील सामान और

प्लास्टिक सामग्री के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके को खाली कराया गया है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर मौजूद हैं और हालात पर नजर रखे हुए हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा।वहीं पुलिस सूत्रों के अनुसार आग हेल्मेट के गोदाम से शुरु हुई थी। प्लास्टिक होने के कारण आग तेजी से फैली।

सीएसटीटी अंग्रेजी, हिन्दी तथा संस्कृत से जुड़े सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश का प्रकाशन करेगा

लोकतंत्र की शान, प्रो अजय कुमार मिश्रा, सीएसयू, दिल्ली

नई दिल्ली। अंग्रेजी , हिन्दी तथा संस्कृत से सूचना प्रौद्योगिकी शब्द संग्रह के निर्माण हेतु दिनांक 09 से 14 फरवरी 2026 तक तकनीकी तथा वैज्ञानिक शब्दावली आयोग ,उच्चतर शिक्षा मन्त्रालय ,आर के पुरम, भारत सरकार के तत्त्वाधान में सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से इसके परिसर सेक्टर 62,नोएडा में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । गौरतलब है कि सी-डैक एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है जो एडवांस्ड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर विकास और एआई जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

छ : दिनों तक चलने वाली इस महत्त्वपूर्ण आई टी से जुड़े कार्यशाला में सी- डैक में देश के विविध प्रमुख विश्वविद्यालयों ,शैक्षणिक संस्थानों तथा लब्धप्रतिष्ठ पत्रिकाओं के संपादकों ने अंग्रेजी ,हिन्दी तथा संस्कृत भाषाओं के विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया । श्री राकेश रेणु ,(आईआईएस ,पूर्व अधिकारी) डा सत्यपाल अरोड़ा, श्रीमती सुनीता अरोड़ा (दोनों सी- डैक 'जी' स्तर वैज्ञानिक),प्रो एस.पी. सिंह(सीसीईटी,चण्डीगढ़।प्रो अजय कुमार मिश्रा (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,दिल्ली),डा नरोत्तम मिश्रा (इन्फॉर्मेशन , वैज्ञानिक,कामेश्वर सिंह

संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार) ,डा ममता त्रिपाठी तथा डा भूपेंद्र कुमार (दोनों क्रमशः सहायकाचार्य ,संस्कृत ,गार्गी महाविद्यालय तथा किरोड़ीमल महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय) ,डा राम किशोर ,(सहायकाचार्य ,एसओटीएसटी विभाग ,इग्नू, दिल्ली) तथा मनीष कुमार गोरे (संपादक , विज्ञान प्रगति ,मासिक) ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया । इस कार्यशाला में सीएसटीटी की तरफ से श्री दीपक कुमार तथा श्री सुमित भारती और सी- डैक की ओर से श्री दीपक आर्य तथा श्री ऋषभदेव सिंह जैसे अधिकारियों ने आयोजन का कमान संभाला । श्री राहुल ने कार्यालीय उत्तरदायित्व को निभाया ।

एफटीए और अमेरिकी ट्रेड डील का भरपूर लाभ उठाएं व्यापारी: सुनील सिंघी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) के चेयरमैन सुनील सिंघी ने शनिवार को राजधानी नई दिल्ली के उद्यमियों एवं व्यापारियों से आह्वान किया कि वे भारत के साथ यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अमेरिका के साथ हुए आंतरिक व्यापार समझौते का भरपूर लाभ उठायें, देश निर्यात में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। सुनील सिंघी ने दिल्ली के सुप्रसिद्ध उद्यमी एस. एस. अग्रवाल और प्रदीप जिंदल को एनटीडब्ल्यूबी द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत जीएसटी 2.0 बचत उत्सव एवं सम्मान समारोह में व्यापारी रत्न से सम्मानित के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। एस एस अग्रवाल कॉन्टिनेंटल मिल्कोज इंडिया के संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं जबकि प्रदीप जिंदल, जिंदल सेल्स कॉपोरेशन के प्रबंध निदेशक हैं। सिंघी ने कहा कि इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पाद के निर्यात पर लगे 50 फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। केंद्र सरकार इससे पहले कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर चुकी है। सिंघी ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भी एसएमएसई सेक्टर को रियायती ऋण उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपाल गोयल, दिल्ली प्रदेश के चेयरमैन नरेश ऐरण सहित अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड ने देश के प्रतिष्ठित व्यापारियों को व्यापारी रत्न से सम्मानित करने के लिए यह अवार्ड शुरू किया है। इस अवार्ड कार्यक्रम में अग्रवाल और जिंदल को प्रदान किया गया यह पहला अवार्ड है। व्यापारी रत्न के रूप में इन्हें अशोक स्तंभ का प्रतीक चिन्ह, प्रशस्तिपत्र और शाल भेंट की गई।

राजस्थान में रेल नेटवर्क की ढ़ांचागत मजबूती के लिए महत्वपूर्ण परियोजना को रेलवे ने दी मंजूरी

» राजस्थान में 470.34 करोड़ रुपये की लागत से 50.06 किलोमीटर लंबे रींगस-सीकर रेलखंड का होगा दोहरीकरण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने क्षेत्रीय रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों में भी रेल लाइनों के दोहरीकरण और बाईपास अलाइनमेंट (भीडभाड वाले रेल यातायात मार्ग को वैकल्पिक उपमार्ग से गुजारने की योजना) सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनका लक्ष्य परिचालन दक्षता और यात्री सुरक्षा बढ़ाना, यात्रा समय में कमी लाना और आम लोगों को सुगमता प्रदान करना है। इससे आर्थिक विकास और महत्वपूर्ण रेल मार्ग पर सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा। इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेलवे द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के अंतर्गत राजस्थान में रींगस-सीकर रेलखंड के दोहरीकरण की 470.34 करोड़ की महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी है। 50.06 किलोमीटर लंबे रींगस-सीकर रेलखंड के दोहरीकरण से इस महत्वपूर्ण क्षेत्रीय मार्ग की क्षमता में काफी सुधार होगा। प्रतिदिन दोनों दिशाओं में पांच अतिरिक्त ट्रेनों के परिचालन और माल ढुलाई में 2.36 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की वृद्धि के साथ, यह परियोजना यात्री और माल ढुलाई दोनों सेवाओं में विश्वसनीयता और गति में सुधार लाएगी। इससे परिचालन दक्षता में वृद्धि के साथ ही राजस्थान के औद्योगिक और तीर्थ क्षेत्रों तक संपर्क सुविधा बढ़ेगी, जिसमें खाटू श्यामजी (सीकर) और सालासर बालाजी (चूरू) जैसे स्थलों तक पहुंचना और भी सुगम हो जाएगा। अभी इस रेलखंड की 77 प्रतिशत क्षमता का उपयोग हो रहा है, जिसके 2029-30 तक बढ़कर 210 प्रतिशत होने की संभावना है। दोहरीकरण से यह रेलखंड भविष्य में यातायात बढ़ोतरी को सुचारू तौर पर संभाल सकेगा। स्थानीय यात्री और व्यवसाय भी इस रेलखंड दोहरीकरण से लाभान्वित होंगे। इससे विलंब में कमी और समय पर रेल सेवा तथा माल ढुलाई में सुधार होगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग का भारत दौरा रद्द

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिग्गज चिप विनिर्माता एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने के लिए अपना प्रस्तावित भारत दौरा रद्द कर दिया है। हालांकि, कंपनी अपना एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए भेज रही है। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया, 'एनवीडिया ने कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण जेन्सेन हुआंग का दौरा रद्द कर दिया है, लेकिन कंपनी अपना एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन में भेज रही है।' अधिकारी ने बताया कि हुआंग का दौरा रद्द होने के संबंध में जानकारी शनिवार शाम को प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि चिप के निर्माण में एनवीडिया अपने तेज प्रोसेसिंग वाले जीपीयू सर्वर के कारण वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) पारिस्थितिकी में दबदबा रखने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में हो रहा है।

यूनाइटेड भारत का रजत जयंती समारोह भव्य एवं ऐतिहासिक माहौल में संपन्न

लोकतंत्र की शान

प्रयागराज। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिष्ठित समाचार पत्र यूनाइटेड भारत हिंदी दैनिक का रजत जयंती स्थापना दिवस समारोह जनपद प्रयागराज में अत्यंत गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। 25 वर्षों की सफल, संघर्षपूर्ण और सशक्त पत्रकारिता यात्रा का यह उत्सव न केवल संस्थान के लिए, बल्कि हिंदी पत्रकारिता जगत के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण रहा। कार्यक्रम का आयोजन इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन सेंटर, प्रयागराज में किया गया, जहां समाज, राजनीति, शिक्षा, धर्म और मीडिया जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके उपरांत अतिथियों का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। मंच संचालन के दौरान यूनाइटेड भारत की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए संस्थान की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने अपने संबोधन में यूनाइटेड भारत को रजत जयंती वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों तक निरंतर पाठकों का विश्वास अर्जित करना और उसे बनाए रखना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य

» समाज के प्रतिबिंब के रूप के उभर रहा यूनाइटेड भारत: शिव प्रताप शुक्ला

» डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने यूनाइटेड भारत की तुलना यूनाइटेड नेशंस से की

» क्षेत्रीय स्तर से शुरुआत कर व्यापक पहचान बनाना यूनाइटेड भारत की उपलब्धि : बृजेश पाठक

है। चुनौतियों के बावजूद समाज के प्रतिबिंब के रूप में यूनाइटेड भारत उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। बदलते समय में डिजिटल मीडिया के विस्तार के बावजूद प्रिंट पत्रकारिता की विश्वसनीयता और गंभीरता आज भी समाज में विशिष्ट स्थान रखती है। उन्होंने यूनाइटेड भारत के प्रिंट से डिजिटल प्लेटफॉर्म तक के सफल विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक को अपनाते हुए मूल्यों को बनाए रखना ही किसी भी मीडिया संस्थान की वास्तविक सफलता है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि प्रयागराज की धरती से प्रकाशित हिंदी दैनिक 'यूनाइटेड भारत' ने 25 वर्षों में समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज को मुखर किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का प्रकाशन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने यूनाइटेड भारत की तुलना यूनाइटेड नेशंस से करते हुए कहा कि जिस प्रकार यूनाइटेड नेशंस विश्व के देशों को एक मंच पर लाता है, उसी प्रकार यूनाइटेड भारत समाज के विभिन्न वर्गों, विचारों और मुद्दों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यूनाइटेड भारत भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपना विस्तार करते हुए देशभर में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराएगा। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी निष्पक्षता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यूनाइटेड भारत की टीम को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्रीय स्तर से शुरुआत कर व्यापक पहचान बनाना अत्यंत सराहनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देना ही किसी भी समाचार पत्र की वास्तविक पहचान है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि यूनाइटेड भारत ने अपने 25 वर्षों के सफर में सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और जन समस्याओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से प्रकाशित कर समाज में सकारात्मक चेतना का संचार किया है। डिजिटल युग में जहां सूचना की गति तेज है, वहीं सत्यता और विश्वसनीयता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है, जिसे यूनाइटेड भारत ने सफलतापूर्वक निभाया है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों और मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित पत्रकारों ने इसे अपने कार्य के प्रति समाज की स्वीकृति बताते हुए भविष्य में और अधिक समर्पण और निष्ठा से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली खेली गई। इसके अतिरिक्त यूनाइटेड भारत के रायपुर और छत्तीसगढ़ के संस्करण का भी शुभारंभ कर प्रथम अंक का विमोचन किया गया। समापन सत्र में यूनाइटेड भारत के संपादक भास्कर दुबे ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, पत्रकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। समूह संपादक मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि यूनाइटेड भारत की 25 वर्षों की यात्रा पाठकों के विश्वास, पत्रकारों की मेहनत और समाज के सहयोग से संभव हुई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी समाचार पत्र निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनोन्मुख पत्रकारिता के अपने संकल्प को आगे बढ़ाता रहेगा। रजत जयंती समारोह केवल एक उपलब्धि का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक बनकर उभरा। उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने एक स्वर में यूनाइटेड भारत हिंदी दैनिक की निरंतर प्रगति, विस्तार और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रयागराज की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित यह समारोह हिंदी पत्रकारिता के स्वर्णिम अध्याय के रूप में स्मरणीय रहेगा। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में यूनाइटेड भारत समूह के संपादक मनोज कुमार मिश्रा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा गुजरात एवं पूर्व गृह राज्यमंत्री गुजरात सरकार गोवर्धन भाई झड़फिया, पूर्व सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह योगी आनंद, दीपेंद्र अरजारिया, विद्यासागर सोनकर, प्रो० शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी, भास्कर दुबे, सुरेश बहादुर सिंह, अविनाश शुक्ला, विभवनाथ भारती, स्वामी सारंग जी महाराज, सुशील मिश्रा, रतीभान त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता तथा भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

विजया एकादशी पर हुआ हरिनाम संकीर्तन का आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः
अमरोहा : शुक्रवार की देर श्याम श्री गिरिराज जी सेवा समिति की और से फाल्गुन मास कृष्णपक्ष विजया एकादशी पर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन शुक्रवार को देर सायं गीता गोयल की और से आवास-विकास कालोनी मे उनके निवास किया गया। समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश भार्गव ने एकादशी के महत्व पर प्रकाश डाला। उसके बाद गीता गोयल ने दीप प्रज्वलित कर संकीर्तन का शुभारम्भ किया। वेदप्रकाश भार्गव ने सभी ईष्ट देवताओ का आव्हान कर ठाकुर जी के श्रृंगार का वर्णन कर समां बाँध दिया। उन्होने अपनी मधुर वाणी से तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे, लागे न किसी की नजर सावरे, पंकज वर्मा बाँबी ने भोले बाबा का डमरू, संदीप गोयल सिर पर गंगा जी की धार भजन, रवि रस्तोगी ने - महामंत्र और पं उमेश दीक्षित ने- मैया बगल की गुजरिया हमे तो घर ले गई जबरिया प्रदीप भटनागर जी ने हनुमंत भजन,राधा रानी कृपा करो व अनुराग ने मेरे श्याम हो गीता ने कन्हैया मेरे घर आना तथा अंकित ने तुम्हारे है प्रभु जी भजन गाकर इनके अतिरिक्त नीरज प्रजापति,नीरज माहेश्वरी ने श्याम बाबा पर एकादशी का भजन सुनाकर उपस्थिति भक्तजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत मे आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर , विजय, नीरज माहेश्वरी,संजय गुप्ता अनिल माहेश्वरी, नवनीत माहेश्वरी विजय, अजय, अर्चित अग्रवाल संदीप, अरुण, अनुज, अनमोल, सौरभ आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

विधायक तसलीम का प्रयास तेज़

लोकतंत्र की शान : (खिजर अहमद);नजीबाबाद। विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख मार्ग आज़ाद चौक हरिद्वार बाईपास, बड़िया में मालन नदी के पुल और अभिपुरा सैदपुरी मार्ग के निर्माण की स्वीकृति के लिए आज एक बार फिर नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान से मुलाकात की। उन्होंने निवेदन किया है कि आज़ाद चौक बाईपास मार्ग की हालत अत्यंत ख़राब हो चुकी है।

इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोग चोटिल हो रहे हैं, वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। मार्ग में गहरे गहरे गड्ढे हो चुके हैं। इस मार्ग का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस मार्ग के निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड 2 नजीबाबाद द्वारा स्टीमेट प्राप्त हो चुका है। उन्होंने जल्द ही इस मार्ग के चौड़ीकरण के निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही बड़िया क्षेत्र में सिख समाज की कार सेवा द्वारा बनाया गया दशकों पुराना मालन नदी का पुल (जो की जर्जर अवस्था में हो चुका है) उसको भी जल्द स्वीकृत करने की बात कही है।

मंझोली में बंदर के हमले से बुजुर्ग घायल

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। अफजलगढ़ क्षेत्र में बंदरों के बढ़ते आतंक ने एक बार फिर लोगों को दहशत में डाल दिया। मोहल्ला मंझोली में शनिवार को छत पर बैठे 65 वर्षीय बुजुर्ग पर बंदर ने अचानक हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जानकारी के अनुसार मोहल्ला मंझोली निवासी शफीक अहमद अपने घर की छत पर धूप सेंक रहे थे। इसी दौरान पास की दीवार पर बैठा बंदर अचानक झपट पड़ा और उन्हें काटकर घायल कर दिया। शोर सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा किसी तरह बंदर को भगाया। घायल बुजुर्ग को सीएचसी अफजलगढ़ में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया। हालत सामान्य पाए जाने पर उन्हें घर भेज दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है। स्थानीय निवासी सलीम अहमद, समीम अहमद, इरफान अहमद, फुरकान, दिलशाद, शरीफ और इमरान ने बताया कि इलाके में बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है और आए दिन वे छतों व गलियों में लोगों पर झपट रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जिला प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की मांग करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर से हस्तक्षेप की अपील की है।

कई दिनों की दहशत के बाद ग्रामीणों को राहत

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव बाखराबाद खटाई के जंगल में कई दिनों से दहशत का कारण बना गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। शुक्रवार रात लगाए गए पिंजरे में गुलदार फंस गया, जिसकी जानकारी शनिवार सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को हुई। खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और लोगों ने राहत की सांस ली। बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों से गांव और आसपास के खेतों में गुलदार की आवाजाही देखी जा रही थी। ग्रामीणों का कहना था कि वह अक्सर जंगल की ओर से निकलकर खेतों के पास तक आ जाता था और गुर्राने की आवाजें सुनाई देती थीं। इससे किसान भय के कारण खेतों में जाने से कतराने लगे थे। गांववासियों की मांग पर वन विभाग ने गांव निवासी जगवीर सिंह के खेत में पिंजरा लगाया था।

जिलाधिकारी ने किया हसनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शनिवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने हसनपुर नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (C H C) का वार्षिक निरीक्षण किया, उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानी और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की गुणवत्ताओं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की कार्यप्रणाली, स्वच्छता और दबाईयो के स्टॉक का बारीकी से निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड, डिलिवरी कक्ष और जनरल वार्ड में पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और मिल गया रहे उपचार के बारे में जानकारी ली वहीं उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रसव कक्ष में स्वच्छता के मानकों का कढ़ाई से पालन किया जाए और मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, जिलाधिकारी ने अस्पताल के ऑक्सीजन प्लांट का भी निरीक्षण किया और उसके कार्यशील होने की तकनीकी जानकारी ली, उन्होंने फार्मासिस्ट और डॉक्टरो को सख्त निर्देश दिए कि मरीजों को सभी दवाएं अस्पताल के भीतर से ही उपलब्ध कराई जाए वहीं उन्होंने चेतावनी दी है कि बाहर की दवाई लिखने की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, साथ ही स्टॉक रजिस्टर में दबा के सही अंकन और पारदर्शिता बनाए रखने के भी निर्देश दिए,जिला अधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ सफाई का भी निरीक्षण किया उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दि कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार के ढीलाई बर्दाशत नहीं की जाएगी, इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर प्रभारी डॉक्टर धुरवेंद्र सिंह सहित समस्त चिकित्सक स्टाफ मौजूद रहा।

ताल रिंग रोड पर कोई भी स्थान न रहे संकरा : सीएम योगी

निर्माण की प्रगति का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से स्पष्ट कहाकि ताल रिंग रोड के किसी भी स्थान पर संकुचन (कंजेशन) नहीं दिखना चाहिए। इसे लेकर अगर कहीं भी दिक्कत या अवरोध है तो उसे समय रहते दूर कर लिया जाना चाहिए। सड़क पर पानी न जमा न होने पाए, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। सीएम योगी शनिवार शाम मोहद्दीपुर से सहारा इस्टेट तक रामगढ़ताल के किनारे 28.60 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 4.20 किलोमीटर लंबे ताल रिंग रोड का निरीक्षण कर रहे थे। इसका निर्माण गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से कराया जा रहा है। शनिवार को निर्माण की प्रगति का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने ले-आउट, ड्राइंग मैप और वीडियो का अवलोकन कर सड़क के बारे में पूरी जानकारी ली। उन्होंने निर्माण के शुरुआती ठिकाने पर कंजेशन दूर करने के निर्देश दिए। सड़क के किनारे नाले को ढकने और ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करने की भी हिदायत दी। अफसरों ने मुख्यमंत्री को बताया कि रिंग रोड का निर्माण कार्य मई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। रिंग रोड से कनेक्ट सहारा इस्टेट के पास एक नई जेटी भी बनाई जाएगी। रिंग रोड पर 13.33 करोड़ रुपये की लागत से सड़क किनारे रिटेनिंग वाल, ड्रेन, एयरवाल्व चैंबर और मेनहोल की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य भी कराया जा रहा है।

आस्था के संग इंसानियत का संगमः महाशिवरात्रि पर चौधरी सीरत उरूज आलम व नुसरत इलाही की सेवा से गूंज़ा सिरसी

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी। पावन पर्व महाशिवरात्रि के अवसर पर सिरसी रेलवे क्रॉसिंग स्थित कुरैशी कोल्ड स्टोर पर सेवा, सौहार्द और भाईचारे की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। समाजसेवी एवीएन मुतवल्ली चौधरी सीरत उरूज आलम एवं समाजसेवी नुसरत इलाही द्वारा कांवड़ यात्रियों के लिए शीतल जल एवं कोल्ड ड्रिंक वितरण का आयोजन किया गया। भगवान शिव के जयघोष "बम-बम भोले" से गूंजते माहौल में सैकड़ों कांवड़िए अपनी यात्रा पर अग्रसर थे। इसी दौरान लगाए गए सेवा शिविर में दोनों समाजसेवियों ने स्वयं खड़े होकर श्रद्धालुओं को पानी और ठंडे पेय वितरित किए। तेज धूप और लंबी यात्रा के बीच यह व्यवस्था कांवड़ियों के लिए राहत का कारण बनी। चौधरी सीरत उरूज आलम ने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने का माध्यम होते हैं। हमारी गंगा-जमुनी तहज़ीब हमें एक-दूसरे के पर्व में सहयोग और सम्मान का संदेश देती है। सेवा करना ही सच्ची इंसानियत है। वहीं नुसरत इलाही ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे

पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है। इस आयोजन से सिरसी क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम एकता की मजबूत तस्वीर सामने आई। स्थानीय लोगों ने इस पहल को सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की प्रेरणादायक मिसाल बताया। महाशिवरात्रि के अवसर पर किया गया यह सेवा कार्य न केवल श्रद्धालुओं के लिए सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि समाज में प्रेम, एकता और सद्भाव का सशक्त संदेश भी दे गया।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझ कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया।

कालिंजर महोत्सव 2026ः 'इतिहास की गूंज, संस्कृति की आत्मा' थीम के साथ होगा सांस्कृतिक महासंगम

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : बुंदेलखंड के बांदा जनपद की ऐतिहासिक धरती पर 15 से 17 फरवरी तक तीन दिवसीय कालिंजर महोत्सव 2026 का आयोजन होगा। 'इतिहास की गूंज, संस्कृति की आत्मा' थीम पर आधारित यह महोत्सव उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और कलात्मक उत्कृष्टता का अद्भुत उत्सव होगा। महोत्सव का आयोजन जिला पर्यटन-संस्कृति परिषद तथा जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से कटरा कालिंजर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर महोत्सव में बुंदेली लोकनृत्य, आल्हा गायन, भजन और लोकगीतों सहित विविध प्रस्तुतियां होंगी, जो क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को मंच प्रदान करेंगी।

हर विधा के कलाकार संग परंपरा और नवाचार -तीन दिवसीय महोत्सव में जहां एक ओर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखरेगी, वहीं खेल महोत्सव से युवाओं की ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को मंच मिलेगा। 'बांदा गॉट टैलेंट' के जरिए स्थानीय प्रतिभाओं को कला प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा, तो 'आज की शाम कालिंजर के नाम' के अंतर्गत विभिन्न विधाओं के खिलाड़ी, कलाकार, गायक अपनी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। महोत्सव स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर की झलक के साथ परंपरा और नवाचार का उत्सव बनकर उभरेगा। महोत्सव के तहत मंडलीय सरस मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी व विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में सम्मेलन एवं गोष्ठी भी होगी।

खेल महोत्सव और 'बांदा गॉट टैलेंट'-खेल महोत्सव प्रतिदिन प्रातः आठ से अपराह्न चार बजे तक होगा, इसमें 15 फरवरी को खो-खो, 16 फरवरी को कबड्डी तथा 17 फरवरी को दंगल होगा। 'बांदा गॉट टैलेंट' प्रतिदिन अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत 15 फरवरी को विद्यालय स्तरीय, 16 फरवरी को महाविद्यालय स्तरीय तथा 17 फरवरी को सांस्कृतिक उत्सव 2025-26 के जनपद स्तरीय विजेता विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।

थाना हज़रत नगर गढ़ी में थाना दिवस का सफल आयोजन, प्रभारी निरीक्षक सुधीर पवार ने सुनीं जनसमस्याएँ

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी थाना हज़रत नगर गढ़ी, संभल में आयोजित थाना दिवस के अवसर पर प्रभारी निरीक्षक सुधीर पवार ने क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुँचे। प्रभारी निरीक्षक सुधीर पवार ने प्रत्येक व्यक्ति की बात धैर्यपूर्वक सुनी और पुलिस व राजस्व से जुड़े कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी शिकायत को हल्के में नहीं लिया

जाएगा और पारदर्शिता के साथ कार्यवाही की जाएगी। थाना दिवस के सफल आयोजन से क्षेत्र में संतोष और विश्वास का वातावरण देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की तत्परता, संवेदनशीलता और सक्रिय कार्यशैली की सराहना की।

सिरसी में खुशी की लहरः दरगाह आलिया नजफ़-ए-हिंद के एडमिनिस्ट्रेटर मौलाना सैयद शब्बाब नक़वी की नियुक्ति पर आभार

लोकतंत्र की शान,

लखनऊ/संभल सिरसी। कस्बा सिरसी में उस समय खुशी और संतोष का माहौल देखने को मिला जब शिया सेंटर व वक़्फ़ बोर्ड द्वारा दरगाह आलिया नजफ़-ए-हिंद के लिए मौलाना सैयद शब्बाब नक़वी साहब को एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किए जाने की घोषणा हुई। स्थानीय लोगों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे दूरदर्शी और सराहनीय कदम बताया। शिया सेंटर व वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष (अली ज़ैदी) साहब की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए लोगों ने कहा कि यह निर्णय दरगाह की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि अली ज़ैदी साहब समाजहित में निरंतर सकारात्मक और ठोस निर्णय ले रहे हैं, जिससे वक़्फ़ से जुड़े कार्यों में नई गति आई है। वहीं शिया धर्मगुरु (मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नक़वी) साहब की रहनुमाई और मार्गदर्शन को भी इस नियुक्ति के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा बताया गया। लोगों का कहना है कि उनकी दीनी सूझबूझ और समाज को एकजुट रखने की कोशिशें हमेशा से कौम के लिए राह दिखाने वाली रही हैं। नव नियुक्त एडमिनिस्ट्रेटर मौलाना सैयद शब्बाब नक़वी साहब को बधाई देते हुए सिरसी के गणमान्य नागरिकों ने विश्वास जताया कि उनकी क़ाबिलियत, ईमानदारी और समर्पण से दरगाह की व्यवस्था और बेहतर होगी तथा ज़ायरीन को सुविधाएं और सुदृढ़ मिलेंगी। अंत में सिरसी वासियों ने शिया सेंटर व वक़्फ़ बोर्ड, अध्यक्ष अली ज़ैदी साहब, मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नक़वी साहब और मौलाना सैयद शब्बाब नक़वी साहब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और कामयाबी की दुआ की।

यूनिक अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक सेंटर के उद्घाटन समारोह में खुर्शीद मंसूरी को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया इस अवसर खुर्शीद मंसूरी ने कहा क्षेत्र को मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

खिजर अहमद। नाजीबाबाद। लोकतंत्र की शान

नजीबाबाद–हरिद्वार रोड स्थित यूनिक अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य उद्घाटन आज संपन्न हुआ। इस सेंटर की स्थापना प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. जुबैर अहमद द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र की जनता को आधुनिक और किफायती स्वास्थ्य जांच सेवाएं उपलब्ध कराना है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अअतिथि खुर्शीद मंसूरी ने सेंटर का निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध आधुनिक मशीनों व सुविधाओं की सराहना की। बताया गया कि इस डायग्नोस्टिक सेंटर में अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड तकनीक के जरिए मरीजों की सटीक जांच की जाएगी, जिससे लोगों को दूर-दराज शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व धन दोनों की बचत होगी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में इस प्रकार के आधुनिक चिकित्सा केंद्र खुलना स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे गर्भावस्था, पेट, हृदय व अन्य जरूरी जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। अंत में उपस्थित लोगों ने डॉ. जुबैर अहमद और उनकी पूरी टीम को इस सराहनीय पहल के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उम्मीद जताई गई कि यह सेंटर क्षेत्र के लोगों को बेहतर, सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वैलेंटाइन-डे, गर्लफ्रेंड का हाथ छुड़वाकर बॉयफ्रेंड को थमाई हनुमान चालीसा, पटना में हिंदू संगठनों का विरोध

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना में हिंदू शिव भवानी सेना ने वैलेंटाइन-डे का विरोध किया है। पटना बुद्धा स्मृति पार्क पहुंचे कपल्स को कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा बांटी। इस दौरान कई जोड़े ऐसे थे जिनके हाथ छुड़वाकर उन्हें हनुमान चालीसा दी गई। हिंदू शिव भवानी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार शिव रुद्र ने कहा, 'भारत की संस्कृति में वैलेंटाइन का कहीं भी जिक्र नहीं है। अगर लोग समाज में अश्लीलता फैलाने की कोशिश की जाएगी तो हम चुप नहीं बैठेंगे। समाज में लव जिहाद फैलाने की कोशिश होगी तो हम जवाब देंगे। हम पार्कों में जा रहे हैं। बिहार के सभी सार्वजनिक स्थानों पर हमारी नजर है। हम प्रेमी जोड़ों को हनुमान चालीसा दे रहे हैं।'

हिंदू शिव भवानी सेना ने पटना में पोस्टर भी लगाए हैं। इसमें लिखा है, 'जहां मिलेंगे बाबू-सोना, तोड़ देंगे कोना कोना।' इसके अलावा पोस्टर में आगे लिखा है- 'वैलेटाइन डे इसदिन बाबू सोना नहीं, पुलवामा के शहीदों को नमन दिवस।' पोस्टर में दावा किया गया है कि वैलेंटाइन डे और वैलेंटाइन वीक भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। इससे समाज में अश्लीलता बढ़ती है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 14 फरवरी को अगर कोई 'बाबू-सोना' जैसे दिखावटी नामों का इस्तेमाल कर सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करता पाया गया तो संगठन सामाजिक और नैतिक रूप से इसका विरोध करेगा। संगठन ने प्रशासन से भी मांग की है कि पार्क, कॉलेज परिसर और सार्वजनिक जगहों पर निगरानी बढ़ाई जाए। शहर के कई इलाकों में लगाए गए धमकी वाले इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद माहौल गरमा गया है। पटना पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गई है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या लोगों को डराने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

20 फरवरी से 14 मार्च तक 26 होली स्पेशल ट्रेनें, कोलकाता-दिल्ली रूट पर चलेगी गाड़ियां

लोकतंत्र की शान : पटना। होली के अवसर पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी घोषणा की है। कोलकाता और नई दिल्ली से से बिहार के लिए 20 फरवरी से 14 मार्च तक 26 स्पेशल होली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, होली के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कोलकाता रूट पर हावड़ा जंक्शन-रक्सौल, सियालदह स्टेशन-मधुबनी और कोलकाता-मधुबनी के बीच स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। 03043 / 03044 और 03045/03046 हावड़ा-रक्सौल स्पेशल ट्रेन सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी और झाझा के रास्ते चलेगी। 03185 / 03186 और 03187/03188 कोलकाता-मधुबनी स्पेशल दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-झाझा मार्ग से परिचालित होंगी। इसके अलावा 08753/08754 दुर्ग-मधुबनी स्पेशल और 03007 / 03008 हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल भी निर्धारित तिथियों पर चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों से बिहार, झारखंड और राजस्थान के यात्रियों को लाभ मिलेगा। रेलवे ने जयनगर-अमृतसर हमसफर क्लोन एक्सप्रेस (04651 / 04652) की परिचालन अवधि 1 मार्च से 31 मार्च तक बढ़ाने का फैसला किया है। इससे पंजाब और मिथिलांचल के यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की तिथि और समय की जानकारी आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें। होली के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बिहार में 11 डिग्री न्यूनतम तापमान, धीरे-धीरे बढ़ेगी गर्मी, पटना में सुबह हल्की धुंध दिख सकती

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में मौसम अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। विभाग की मानें, तो आज राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्की धुंध दिख सकती है। जबकि दिन में धूप निकलेगी, जिससे मौसम गर्म रहेगा। तापमान में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी मिड तक मौसम सामान्य रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर सुबह और रात के समय हल्की ठंड बनी रह सकती है। फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में सुपौल सहित कुछ जिलों में सुबह कोहरा दिखा फिर तेज धूप निकल गई। मौसम वैज्ञानिकों और भारतीय मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम पर पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं और वातावरण में नमी का मिला-जुला असर रहा है। इन कारणों से सुबह धुंध और रात में ठंड महसूस हो रही है, जबकि दिन में धूप निकलने से तापमान संतुलित बना हुआ है। पूर्वानुमानों के अनुसार 14 फरवरी के आसपास अधिकतम तापमान लगभग 24 से 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 से 13 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम सामान्य रहेगा और केवल हल्की धुंध या आंशिक बादल दिख सकते हैं। इस समय मौसम में बदलाव के पीछे कई वैज्ञानिक कारण हैं। पहला कारण पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करता है। दूसरा कारण उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं हैं, जो रात और सुबह तापमान को नीचे ले जाती हैं।

2500 लीटर अवैध शराब का घोल नष्टःबिदुपुर दियारा इलाके में पुलिस ने 3 भट्ठियां की ध्वस्त

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुड़ावनपुर बिशुनपुर सैदअली दियारा इलाके में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने लगभग 2500 लीटर अर्धनिर्मित जावा गुड़ का घोल और तीन शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर की गई। पुलिस टीम ने मौके से अवैध शराब बनाने के लिए तैयार किए गए इस घोल को विनष्ट किया। इसके अतिरिक्त, अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली तीन भट्ठियों को भी ध्वस्त किया गया। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आगामी होली त्योहार को देखते हुए, वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने दियारा इलाके में अवैध रूप से चल रही शराब भट्ठियों को ध्वस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिए हैं। शराब माफियाओं की धरपकड़ तेज कर दी गई है। बिदुपुर थाना अध्यक्ष ने पुष्टि की कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई है और आगे भी जारी रहेगी।

दवा व्यवसायी से एक लाख की लूट, दुकान बंद कर पैदल घर लौट रहे थे एजी फार्मा मालिक

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के महनार बाजार में एक दवा व्यवसायी से लगभग एक लाख रुपए की लूट हुई है। यह घटना बीती रात तब हुई जब व्यवसायी अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। प्रसिद्ध एजी फार्मा के मालिक अविनाश कुमार (45) अपनी दुकान बंद कर पैदल घर जा रहे थे। इसी दौरान दो बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। अपराधियों ने हथियार के बल पर उनके बैग में रखे रुपए छीन लिए। यह वारदात महनार बाजार के एक सुरक्षित क्षेत्र में हुई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट देखा जा सकता है कि अपराधी पहले पुलिसकर्मी जैसा व्यवहार करते हैं। वे रास्ते में चल रहे व्यक्ति को रोककर पहले उसकी तलाशी लेते हैं।

हादसाः पटना में अज्ञात गाड़ी ने बुजुर्ग को कुचला, मौत

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के फतुहा-दनियावां स्थित एनएच-30ए पर सोनारू गांव के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान नालंदा जिले के अशरफपुर निवासी जयनंदन ठाकुर (पिता–चंदू ठाकुर) के रूप में हुई है। थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटना सैलून में काम करने जा रहे थेः परिजनों के अनुसार, जयनंदन ठाकुर हर रोज की तरह शनिवार सुबह भी घर से पटना के एक सैलून में काम करने के लिए निकले थे। सोनारू स्थित कोऑपरेटिव कॉलोनी मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पहचान में हुई देरी, सोशल मीडिया से मिली सूचनाः घटना के समय मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। पुलिस ने उनके पास से एक थैली बरामद की, जिसमें बाल और दाढ़ी बनाने का सामान रखा था। सूचना मिलने पर फतुहा थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने मृतक की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। करीब दो घंटे बाद परिजन अस्पताल पहुंचे और शव की शिनाख्त की। अब परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि जयनंदन रोज की तरह काम पर जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में हादसे ने उन्हें हमसे छिन लिया।

♦ **सुबह सैलून में जा रहे थे काम करने, परिवार को सोशल मीडिया से मिली सूचना**

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शवः फतुहा थाना अध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि, 'शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।'

पटना के लॉ एंड ऑर्डर एसडीपीओ समेत 4 बने एएसपी

लोकतंत्र की शान , पटना

❒ **बिहार के 4 सीनीयर डीएसपी को मिला प्रमोशन, एसएसी ने पहनाया अशोक स्तंभ का बैच**

बिहार के 4 वरीय पुलिस उपाधीक्षक को ASP को तौर पर प्रोमोशन मिला है। इसकी अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दी है। पद ग्रहण करने की तारीख से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर निर्धारित वेतनमान का लाभ मिलेगा।

4 वरीय पुलिस उपाधीक्षक को ASP बनायाः प्रोमोशन जिन लोगों को मिला है, इसमें लॉ एंड ऑर्डर SDPO कृष्ण मुरारी प्रसाद, संजीत कुमार प्रभात, राजकुमार शाह, सुमित कुमार शामिल हैं। SDPO 1 लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद 2013 बैच के पदाधिकारी हैं। इससे पहले नालंदा में पदस्थापित थे। पिछले 2 साल से SDPO 1 लॉ एंड ऑर्डर के पद पर पटना में हैं। SSP ने पहनाया अशोक स्तंभ का बैच प्रोमोशन मिलने के बाद शनिवार को SDPO लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद और संजीत कुमार प्रभात पटना SSP कार्तिकेय शर्मा के दफ्तर पहुंचें। SSP ने दोनों अधिकारियों को अशोक स्तंभ का बैच पहनाया और बधाई दी। प्रोमोशन की खबर मिलने के बाद कोतवाली थानेदार अजय कुमार, बमबम कुमार, अरविंद कुमार निराला मिठाई और बुके लेकर बधाई देने पहुंच गए। इसके बाद बधाई देने वालों की भीड़ लगी रही।

पटना जिले के 4 पदाधिकारियों का तबादलाः इनके अलावा पटना जिले में तैनात 4 पुलिस पदाधिकारीयों का पटना SSP ने तबादला किया है। फतुहा के थानेदार सदानंद शाह को लाइन क्लोज कर दिया गया है। कुमार रौशन को फतुहा का थानेदार बनाया गया है। कमलेश राज को सुलतानगंज थानेदार बनाया गया है। रवि कांत को गुलजारबाग TOP प्रभारी बनाया गया है।

पप्पू यादव से गले मिलकर रो पड़े आईपी गुप्ता, सांसद भी हुए भावुक

लोकतंत्र की शान , पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने PMCH के वार्ड का एक वीडियो शेयर किया है, जो पूरी तरह से जर्जर हालत में है। सांसद ने बताया कि उन्हें इलाज के लिए इसी वार्ड में रखा गया था।

पप्पू यादव ने X पर लिखा, PMCH के इस नर्क में उपचार के लिए मुझे रखा गया था। एक सांसद के साथ ऐसा सलूक, तो हमारे जनता मालिक के साथ यह क्या करते होंगे? समझ सकते हैं। मेरी गिरफ्तारी और उस दौरान हुई घटना और व्यवस्था प्रदर्शित करती हैं कि आम लोगों को किस तरह जलील परेशान किया जाता होगा? बेशर्म व्यवस्था,डूब मरो!

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पटना में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और खुद उन्हें खाना परोसा। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने विधायक आईपी गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान आईपी गुप्ता पप्पू यादव के गले लगकर रोने लगे। आईपी गुप्ता को रोता देख पप्पू यादव भी भावुक हो गए।

पप्पू यादव 7 दिनों बाद शुक्रवार शाम बेऊर जेल से बाहर निकले। जेल से निकलते ही वे सीधे फुलवारीशरीफ पहुंचे, जहां कोचिंग की छत से गिरकर जान गंवाने वाली छात्रा के परिजनों से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

स्कूली बच्चों ने बड़े धूमधाम से मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया

लोकतंत्र की शान ,सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नोनीहालों के बीच मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया गया।जयप्रकाश नगर स्थित स्वामी विवेकानंद सेकेंडरी स्कूल हवाई अड्डा स्थित चिल्ड्रन एस एजुकेयर सहित अन्य संस्थानों में स्कूली बच्चों द्वारा मातृ पितृ पूजन दिवस बहुत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय बच्चों में मातृ-पितृ देवो भव की भावना की पूर्ति लिए मातृ पितृ पूजन दिवस एक बहुत ही कारगर प्रयोजन है। विद्यालय के मुख्य प्रशासक बालाजी मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ दशकों में सिनेमा और सीरियल के प्रभाव में आकर भारतीय युवा और यहां तक की स्कूली छात्र भी वैलेंटाइन संस्कृति का अनुसरण कर रहे हैं जो कि उनके भविष्य के लिए अत्यंत घातक है। छात्रों में भारतीय सनातन संस्कृति एवं आदर्श को समाहित करने के उद्देश्य को लेकर योग वेदांत सेवा समिति के सहयोग से आयोजित मातृ पितृ पूजन दिवस अपने आप में एक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक कदम है। हम बच्चों के बाल्य काल से ही बच्चों में माता-पिता व गुरु जनों एवं बड़ों के प्रति आदर और सम्मान की भावना स्थापित करके क्षरित होते समाज को एक नई दिशा दे सकते हैं। शहर के हवाई अड्डा के निकट स्थित चिल्ड्रंस एजुकेयर स्कूल परिसर में विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार के नेतृत्व में मातृ पितृ पूजन दिवस भव्य रूप से आयोजित किया गया। मौके पर शिक्षक उदय शंकर, लकी राज ,सुनील ठाकुर, नुनु लाल प्रसाद संगीता केसरी,स्वीटी दास, काजल कुमारी प्रीति पांडे,आशीर्वाद, ज्योत्सना.. सहित विद्यालय से जुड़े सैकड़ो अभिभावक मौजूद रहे।मौके पर बच्चों ने की गणेश परिक्रमा कर अपने माता-पिता को तिलक अक्षत लगाया। अपने माता-पिता को साक्षात देवता मानते हुए बच्चों ने उनको भोग लगाया और उनकी आरती की एवं उनकी परिक्रमा भी की।

पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलिःविहिप-बजरंग दल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

लोकतंत्र की शान ,सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को हुए आत्मघाती हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने 14 फरवरी शनिवार को सीताराम गार्डन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया।यह लगातार पांच वर्षों से संगठन के द्वारा शहीदों की याद में रक्तदान का पवित्र कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष के शिविर में 150 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है। शहीदों को दी गई सच्ची श्रद्धांजलि पुलवामा हमले की बरसी के अवसर पर आयोजित इस शिविर में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।वही पूर्व डिप्टी सीएम सह सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, मेयर उषा देवी अग्रवाल, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, पूर्व विभाग संयोजक पवन पोद्दार, प्रांत सुरक्षा प्रमुख अनीश सिंह और जिला सेवा प्रमुख विष्णु शांडिल सहित कई अन्य लोगों ने वीर शहीदों के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। बजरंग दल के पूर्व विभाग संयोजक पवन पोद्दार ने बताया कि इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य पुलवामा शहीदों को याद करने के साथ-साथ ब्लड बैंक में रक्त की कमी को पूरा करना भी है। उन्होंने कहा कि यह रक्त दूसरों के लिए जीवनदान बनेगा। रक्तदान करने पहुंचे युवा स्वयंसेवकों ने समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता, बल्कि यह एक पुण्य का कार्य है, जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों समान रूप से भाग ले सकते हैं।रक्तदान के बाद युवाओं ने प्रशस्ति पत्र लेकर काफी उत्साहित दिखे। शिविर में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके इस नेक कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह पहल निश्चित तौर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने का एक सराहनीय तरीका है, जो समाज में सकारात्मक संदेश भी दे रहा है। वर्षवार रक्तदान संग्रह का लक्ष्य और उपलब्धि विश्व हिंदू परिषद- बजरंग दल के प्रांत सुरक्षा प्रमुख अनीश सिंह ने बताया कि यह शिविर हर साल एक निश्चित लक्ष्य के साथ आयोजित किया जाता है। पिछले वर्षों में प्राप्त रक्त संग्रह का विवरण इस प्रकार हैः- *2020: 159 यूनिट रक्त *2021: 156 यूनिट रक्त *2023: रिकॉर्ड 256 यूनिट रक्त *2024: 139 यूनिट रक्त *2025: 61 यूनिट रक्त *2026: 41 यूनिट रक्त दान किया गया। यह आयोजन न केवल शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है, बल्कि रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य को भी बढ़ावा देता है।

पटना में ज्वेलरी दुकान में 60 लाख रुपये के गहने-कैश चोरी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के पालीगंज अनुमंडल में शुक्रवार रात एक ज्वेलरी दुकान में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने दुकान के पिछले हिस्से में सेंधमारी कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने उड़ा लिए। दुकान में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी चोर अपने साथ ले गए। घटना पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत पततू बाजार की है। सुबह जब दुकान मालिक को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। वारदात के बाद इलाके में व्यापारियों के बीच दहशत का माहौल है। लगभग 50 से 60 लाख के गहने चोरीः पतुत गांव निवासी रजनीश कुमार पिछले आठ सालों से बाजार में 'रजनीश ज्वेलर्स' नाम से दुकान चला रहे हैं। सुबह पड़ोसियों ने उन्हें दुकान के पिछले हिस्से में छेद और सीढ़ी लगी होने की जानकारी दी। दुकान खोलने पर रजनीश कुमार ने देखा कि दुकान का सारा सामान बिखरा हुआ था और लॉकर से लगभग 50 से 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने गायब थे। चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार में छेद कर प्रवेश किया। गहनों के खाली बक्से बरामद, FSL और डॉग स्क्वायड मौके पर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास से चोरी हुए गहनों के खाली बक्से भी बरामद किए हैं। फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) और डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया है। यह घटना मुख्य सड़क के पास स्थित बाजार में हुई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों में चिंता का माहौल है। घटना को लेकर थानाध्यक्ष बिट्टू कुमार ने बताया किस, घटना की जानकारी दुकानदार रजनीश कुमार के द्वारा दी गई, जिसके बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच कर रही है। हालांकि, दुकान का शटर ठीक है चोर दुकान के पिछले हिस्से से घुसे हैं और लाकर को काटकर चोरी की है दुकान में लगे सीसीटीवी के द्वार भी गायब है कितनी की चोरी हुई है अभी तक स्पष्ट है नहीं हो सका है लिखित आवेदन आने के बाद स्पष्ट होगा।

महाशिवरात्रि पर महावीर मंदिर में 60 भक्त करेंगे रूद्राभिषेक

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक होगा। महावीर मंदिर में मौजूद चारों शिवलिंग पर 60 रूद्राभिषेक के लिए बुकिंग हुई है। यह रुद्राभिषेक सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक होगा। शिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक करने के लिए भक्तों ने पहले से ही बुकिंग की है। इसके लिए भक्तों को बाहर से कोई भी सामान लाने की जरूरत नहीं है । दूध, दही, शहद, घी, शक्कर, बेलपत्र, भांग, धतूरा, आदि सामग्री सब चीज मंदिर से ही मिलेगी। भक्तों को सुबह से लेकर देर रात तक रुद्राभिषेक ब्राह्मणों के द्वारा कराया जाएगा।

चारों शिवलिंग पर होगा रुद्राभिषेकः महावीर मंदिर के बुकिंग काउंटर के संचालक पंडित राम मिलन ने बताया कि मंदिर में चार शिवलिंग में रुद्राभिषेक होगा। नीचे प्राचीन शिवलिंग पर कुल 17 रुद्राभिषेक, ऊपर शीशा बंद शिवलिंग पर कुल 17 रुद्राभिषेक और बीच में हनुमानजी के बगल में स्थित शिवलिंग पर कुल 9 रुद्राभिषेक होंगे। इसके अलावा सबसे ऊपर वाले फ्लोर पर एक और नई शिवलिंग स्थापित की गयी है, जहां भी 17 रुद्राभिषेक होगा।

विजय राघव मंदिर में महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर दीपोत्सवः केसरी नगर स्थित श्री विजय राघव मंदिर में शनिवार की शाम दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें मंदिर की ओर से असंख्य दीप तथा भक्तों द्वारा भी लाए गए दीप से मंदिर परिसर को सजाकर संध्या बेला में दीपोत्सव मनाया जाएगा।शनिवार की शाम सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा, हनुमानाष्टक, बजरंग बाण का पाठ कि जाएगा। महाशिवरात्रि पर भव्य झांकी भी निकलेगी।

विराट रामायण मंदिर थीम पर बन रही झांकीः इसके साथ ही महाशिवरात्रि पर खाजपुरा शिव मंदिर में भव्य आयोजन किया जाएगा। राजधानी के अलग-अलग इलाकों से 31 शोभायात्राएं और शिव-बारात झांकियां निकाली जाएंगी। इस बार 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' और 'विराट रामायण मंदिर में 33 फुट ऊंचे शिवलिंग' की थीम पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

तांडव नृत्य, गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम होगाः मंदिर परिसर में मुख्य समारोह होगा, जहां शोभायात्राओं के स्वागत के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, तांडव नृत्य, गंगा आरती और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्र व राज्य सरकार के कई मंत्री, धर्माचार्य और समाज के प्रबुद्ध जन भाग लेंगे और शोभायात्राओं के अभिनंदन के साथ झांकियों की आरती उतारेंगे। मुख्य मंच पर शोभायात्रा समितियों को प्रतीक चिह्न, मेडल व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

♦ **बाहर से कोई भी सामान लाने की जरूरत नहीं, खाजपुरा शिव मंदिर में श्रद्धालुओं पर होगी पुष्प वर्षा**

20 स्थानों पर श्रद्धालुओं पर होगी पुष्प वर्षाः डॉ. चौरसिया ने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बेली रोड, वीरचंद पटेल पथ और जेपी गंगा पथ पर बड़ी-बड़ी शिव पताकाएं लगाई गई हैं। जिन मुहल्लों से शोभायात्राएं निकलेंगी, उनका रूट चार्ट तैयार है।शोभायात्रा मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं। 20 स्थानों पर शोभायात्राओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी और शरबत-पानी के स्टॉल लगाए जाएंगे। मुख्य समारोह स्थल के पास 60 फीट लंबा मंच बनाया जा रहा है। पहले मंच पर अतिथि शिव बारात झांकियों की आरती करेंगे, दूसरे मंच पर भजन संध्या और तांडव नृत्य होगा और तीसरे मंच से गंगा आरती होगी। मुख्य मार्गों पर तोरण द्वार बनाए जाएंगे। घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को झंडों से पाटा जाएगा। मुख्य समारोह स्थल, खाजपुरा शिव मंदिर परिसर को रंगीन बल्बों और झालरों से सजाया जाएगा।

खास ख़बर

जींद : पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने कैबिनेट मंत्री को सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान : जींद। पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति ईकाई नरवाना द्वारा सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को लेकर शनिवार को कैबिनेट मंत्री व नरवाना विधायक कृष्ण बेदी को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान मोहनलाल ने की। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने साफ शब्दों में कहा कि पुरानी पेंशन कोई कृपा या रियायत नहीं बल्कि कर्मचारी का संवैधानिक, नैतिक और सामाजिक अधिकार है। जिसे किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं होने दिया जाएगा। समिति ने चेताया कि ओपी को खत्म कर लागू की गई एनपीएस और प्रस्तावित यूपीएस योजनाएं कर्मचारियों के भविष्य के साथ किया गया सबसे बडा अन्यायपूर्ण, अस्थिर और बाजार-आधारित प्रयोग है। जिसका दंश आज लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारी झेल रहे हैं। प्रदेश महासचिव रिषी नैन व प्रदेश में वरिष्ठ उप प्रधान अनूप लाठर ने कहा कि ओपीएस ही एकमात्र ऐसी व्यवस्था है, जो कर्मचारी को अंतिम वेतन के आधार पर आजीवन सुनिश्चित पेंशन, महंगाई राहत तथा पारिवारिक पेंशन प्रदान करती है। यही योजना कर्मचारी को मानसिक सुरक्षा और सम्मान देती है, जिससे वह बिना भय के शासन-प्रशासन की नीतियों को ईमानदारी से लागू करता है। इसके विपरीत एनपीएस और यूपीएस में न तो पेंशन की गारंटी है और न ही बुढ़ापे की कोई सुनिश्चित सुरक्षा। समिति ने कहा कि शेयर बाजार पर आधारित पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों की जीवनभर की कमाई को जोखिम में डालती है। सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाली सीमित और अनिश्चित राशि बुढ़ापे में इलाज, दवाइयों और दैनिक जीवन यापन के लिए भी अपर्याप्त साबित हो रही है। यह व्यवस्था केवल कर्मचारी की ही नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार के भविष्य पर सीधा हमला है। कैबिनेट मंत्री व नरवाना विधायक कृष्ण बेदी ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि आगामी विधानसभा के बजट सत्र में पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को प्रभावी और मजबूती से सरकार के समक्ष रखा जाएगा तथा कर्मचारियों की आवाज को उचित मंच पर पूरी ताकत के साथ उठाया जाएगा। पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेताया कि यदि बजट सत्र में ओपीएस बहाली को लेकर सरकार ने कोई ठोस, स्पष्ट और नीतिगत निर्णय नहीं लिया तो कर्मचारी वर्ग इसे सरकार की संवेदनहीनता मानेगा और आंदोलन को राज्यव्यापी स्तर पर और अधिक उग्र व व्यापक किया जाएगा।

झुंझुनू में उप मुख्यमंत्री बैरवा के काफिले की गाड़ियां भिड़ीं

लोकतंत्र की शान : झुंझुन। झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी घाट क्षेत्र में शनिवार सुबह उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के काफिले में शामिल गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। उप मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को भी चोट नहीं आई है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा गुढ़ागौड़जी के एक प्राइवेट स्कूल के कार्यक्रम में हिसा लेने जा रहे थे, इसी दौरान ये हादसा हो गया। उपमुख्यमंत्री का काफिला उदयपुरवाटी घाट क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान भाजपा नेता जेपी खटाना अपनी कार लेकर अचानक काफिले के बीच में घुस गए। खटाना अपनी गाड़ी को पास के ही एक रिसॉर्ट के अंदर ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इतने में काफिले में चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी (सुरक्षा वाहन) अनियंत्रित होकर टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों के अनुसार हादसे के वक्त उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की गाड़ी सुरक्षित रूप से आगे निकल चुकी थी। टक्कर मुख्य रूप से एस्कॉर्ट वाहन और भाजपा नेता की कार के बीच हुई। दोनों गाड़ियों की हेडलाइट्स और अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। टक्कर के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से काफिले को कुछ देर के लिए मौके पर ही रोकना पड़ा। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया। यह सुनिश्चित किया कि उपमुख्यमंत्री और काफिले के अन्य सदस्य सुरक्षित हैं। कुछ समय के ठहराव और जांच के बाद उपमुख्यमंत्री गुढ़ागौड़जी के लिए रवाना हो गए।

आगे चल रहे ट्रेलर में घुसी कार, महिला सहित 5 की मौत

लोकतंत्र की शान : जयपुर। चाकसू थाना इलाके में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे (एनएच-52) पर टिंगरिया मोड़ के पास हुआ। कार चालक को झपकी आने का अंदेशा है जिससे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। चाकसू थाना अधिकारी मनोहर लाल मेघवाल के मुताबिक कार में सवार सभी लोग मध्य प्रदेश के निवासी थे और जयपुर की ओर आ रहे थे। हादसे में एक महिला समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई। दुर्घटना के कारण नेशनल हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दुर्घटना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को झपकी आना बताया जा रहा है, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। मृतकों की शिनाख्त और परिजनों को सूचना देने की कार्रवाई की जा रही है।

खाटू श्याम मंदिर में 19 घंटे बंद रहेंगे दर्शन

लोकतंत्र की शान : सीकर। विश्व प्रसिद्ध आस्था धाम खाटू श्याम मंदिर में 19 फरवरी को श्याम प्रभु की विशेष सेवा-पूजा एवं तिलक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया है। मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि 18 फरवरी की रात 10 बजे से 19 फरवरी की शाम पांच बजे तक आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट पूर्णतः बंद रहेंगे। इस दौरान केवल निर्धारित धार्मिक विधि-विधान और विशेष सेवा-पूजा कार्यक्रम किए जाएंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार 18 फरवरी रात 10 बजे बाबा श्याम के पट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद 19 फरवरी को शाम पांच बजे तक श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सकेंगे। 19 फरवरी शाम पांच बजे पुनः मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे और श्रद्धालु नियमित रूप से दर्शन कर सकेंगे। मंदिर कमेटी ने सभी श्याम भक्तों से अपील की है कि वे निर्धारित समय के बाद ही खाटूधाम पधारें तथा मंदिर परिसर में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

केरल के पार्षदों ने देखी गुरुग्राम नगर निगम की कार्यप्रणाली

नगर निगम गुरुग्राम में किया गया प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

लोकतंत्र की शान

गुरुग्राम। भाजपा के विकसित केरलम अभियान के अंतर्गत केरल से पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को गुरुग्राम का दौरा किया। नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। इस दौरान निगम प्रशासन द्वारा शहर की कार्यप्रणाली, चल रहे विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी गई।केरल से आए प्रतिनिधिमंडल में रघुनाथ सी. मेनन, पी. कृष्णप्रसाद, वी.ए. सुरेश कुमार, अजय कुमार, उल्लासन पी., राजलक्ष्मी पी., संध्या रानी तथा केपी बिंदु शामिल थे। इन सदस्यों ने गुरुग्राम में किए जा रहे विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में विशेष रुचि दिखाई तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने गुरुग्राम को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और तकनीक आधारित शहर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपनाए गए नवाचारों से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। नगर निगम अधिकारियों ने स्वच्छता प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निपटान, सीवर और जल प्रबंधन, सडक़ अवसंरचना, हरित क्षेत्र विकास तथा डिजिटल सेवाओं से जुड़ी पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि शहर में घर-घर कचरा संग्रहण, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग, लैंडफिल प्रबंधन, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट निपटान, वर्षा जल संचयन और जलभराव नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही एकीकृत ऐप और डैशबोर्ड के माध्यम से नगर सेवाओं की निगरानी और शिकायत निवारण को भी सुदृढ़ किया गया है।इस अवसर पर भाजपा हरियाणा संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, प्रदेश महासचिव सुरेंद्र पुनिया, मेयर राजरानी मल्होत्रा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया, भाजपा नेता तिलकराज मल्होत्रा एवं हरविंद कोहली सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नगर निगम की ओर से निगमायुक्त प्रदीप दहिया, अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी, चीफ इंजीनियर विजय ढाका तथा शहर के पार्षदगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। बैठक के दौरान दोनों राज्यों के बीच शहरी विकास के सफल मॉडलों, प्रशासनिक नवाचारों और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम के विकास मॉडल की सराहना करते हुए इसे अन्य शहरों के लिए भी उपयोगी बताया। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के संवाद और अध्ययन दौरे देश के विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय और सीखने के अवसर प्रदान करेंगे, जिससे शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी।

फरीदाबाद : सूरजकुंड मेले में अफगानिस्तान के ड्राई फ्रूट और हाथरस की हींग बनी पसंद

लोकतंत्र की शान

फरीदाबाद। 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला में देश-विदेश की कला, संस्कृति और स्वाद का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मेले में आत्मनिर्भर भारत की थीम के तहत स्वदेशी उत्पादों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहभागिता भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। विशेष रूप से अफगानिस्तान के ड्राई फ्रूट और उत्तर प्रदेश के हाथरस की प्रसिद्ध हींग पर्यटकों की पसंद बनी हुई है। मेला परिसर में अफगानिस्तान के स्टॉल पर बादाम, पिस्ता, अखरोट, काजू, किशमिश, अंजीर और मिक्स ड्राई फ्रूट की अनेक उच्च गुणवत्ता वाली किस्में उपलब्ध हैं। प्राकृतिक ये मेवे स्वाद और पोषण से भरपूर हैं। इनकी स्टॉल संचालकों ने बताया कि शुद्धता और गुणवत्ता के चलते ये उत्पाद पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। सूखे मेवे न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ऊर्जा, प्रोटीन और आवश्यक विटामिन से भरपूर होने के कारण स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माने जाते हैं। इसी तरह हाथरस की हींग भी सूरजकुंड मेला परिसर मेले में खास आकर्षण का केंद्र है। सब्जियों और दालों में तडक़ा लगाते समय थोड़ी सी हींग स्वाद को कई गुना बढ़ा देती है। संचालकों ने बताया कि आयुर्वेदिक गुणों से युक्त हींग पाचन तंत्र के लिए लाभकारी मानी जाती है और गैस व अपच जैसी समस्याओं में सहायक होती है। स्टॉल संचालकों ने बताया कि शुद्ध और देसी हींग की मांग लगातार बढ़ रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा मेले के निर्देशन और मार्गदर्शन में हस्तशिल्प, हथकरघा, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां और पारंपरिक व्यंजन भी आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं। परिवारों, युवाओं और पर्यटकों की भीड़ के बीच सूरजकुंड मेला सांस्कृतिक एकता और आत्मनिर्भरता का संदेश दे रहा है। यह आयोजन देश और विदेश के शिल्पकारों को वैश्विक मंच प्रदान कर उनके उत्पादों को नई पहचान दिला रहा है। शिल्पकारों ने सुव्यवस्थित प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार और सूरजकुंड प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

आपका सारथी कौन” नवाचार के अंतर्गत बड़ी कार्यवाही

» 70 ऑटो / ई-रिक्शा चालकों पर चालान, 5 ई-रिक्शा जप्त

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : कटनी जिले में यात्री सुरक्षा, अनुशासन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा संचालित “आपका सारथी कौन” नवाचार के अंतर्गत आज थाना यातायात पुलिस द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 70 ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। वहीं गंभीर अनियमितताओं के चलते 5 ई-रिक्शा जप्त किए गए। यातायात पुलिस द्वारा ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों को क्यूआर कोड प्रदान कर यात्रियों से फीडबैक लेने की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत चालकों को अपने वाहनों पर क्यूआर कोड चस्पा कराने एवं समस्त आवश्यक दस्तावेजों की जांच कराने के निर्देश पूर्व में दिए गए थे, लेकिन अधिकांश चालकों द्वारा निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इसी के चलते बुधवार को विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, बीमा, यूनिफॉर्म (खाकी), पहचान बैच न होने एवं शराब के नशे में वाहन चलाने, लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाने, निर्धारित से अधिक किराया वसूलने तथा यात्रियों से दुर्व्यवहार जैसी प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध आगे भी सख्त एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला कांग्रेस कार्यालय, कटनी में मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के प्रथम आगमन पर किया गया स्वागत

लोकतंत्र की शान

कटनी : जिला कांग्रेस कार्यालय, कटनी में मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय रीना बौरासी सेतिया जी के प्रथम आगमन पर गरिमाय कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके आगमन से महिला कांग्रेस सहित समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह, ऊर्जा एवं संगठनात्मक चेतना का संचार हुआ। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम पत्रकार वार्ता को संबोधित किया, जिसमें प्रदेश की वर्तमान सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों, महिला सशक्तिकरण, संगठन की भूमिका तथा जमीनी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस केवल एक संगठन नहीं, बल्कि समाज में न्याय, समानता और अधिकारों की सशक्त आवाज़ है, जिसे और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात महिला जिला अध्यक्ष के चयन एवं संगठनात्मक संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वन-टू-वन चर्चा की गई। इस दौरान स्थानीय पदाधिकारियों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए तथा संगठन को अधिक सक्रिय, प्रभावी और जनोन्मुख बनाने पर विशेष जोर दिया गया। तत्पश्चात आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक महिला भागीदारी सुनिश्चित करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, प्रशिक्षण, जनसंपर्क अभियान तथा महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचकर कांग्रेस की विचारधारा को सशक्त रूप से स्थापित करें।

राजस्थान हाईकोर्ट : नगर पालिका भिण्डर उदयपुर के आदेश पर रोक

लोकतंत्र की शान

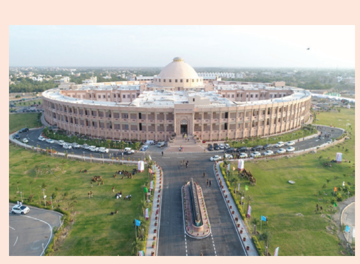

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने पींजारा समाज भीण्डर जिला उदयपुर को दी गयी दो बीघा जमीन के भू उपयोग परिवर्तन के आदेश 30 सितंबर 2023 को नगर पालिका भिण्डर के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा आदेश 13 जनवरी 2026 से निरस्त करने के आदेश पर रोक लगायी। पींजारा समाज भिण्डर द्वारा पार्क बनाने के उद्देश्य से स्वायत शासन विभाग को 2 बीघा जमीन शहरी क्षेत्र की सुपुर्द की गयी। इस जमीन के बदले स्वायत शासन विभाग द्वारा उन्हें 2 बीघा जमीन ग्रामीण क्षेत्र में पींजारा समाज को आंवटित की गयी। इस जमीन के बदले जमीन का आवंटन करते वक्त स्वायत शासन विभाग द्वारा यह शर्त अंकित की गयी कि यह जमीन केवल कब्रिस्तान के लिये उपयोग में ली जायेगी। पींजारा समाज द्वारा इस शर्त को हटाकर जमीन को स्कूल, हॉस्टल व अन्य उपयोग में लेने के लिये लगातार स्वायत शासन विभाग से निवेदन किया गया। पींजारा समाज द्वारा वर्ष 2010 से इसके लिये स्वायत शासन विभाग से निवेदन करने पर स्वायत शासन विभाग द्वारा दिनांक 30 सितंबर 2023 को उनके निवेदन को जायज ठहराते हुए। कब्रिस्तान की शर्त को हटाकर जमीन को अन्य उपयोग में लेने की छूट प्रदान की गयी। 19 जनवरी 2025 को राज्य सरकार द्वारा मंत्रालयिक स्तर पर एक कमेठी का गठन किया गया। जिसके द्वारा 01 अप्रेल 2023 से 14 दिसम्बर 2023 के मध्य पूर्ववर्ती सरकार द्वारा विभिन्न समाज को जो भूमि आवंटन करने की प्रक्रिया निर्णयाधीन थी उन सब को निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस मंत्रालयिक कमेटी द्वारा पींजारा समाज को जो जमीन का उपयोग संशोधित करने का आदेश 30 सितंबर 2023 को पारित किया गया था उसको भी निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। अधिशाषी अभियन्ता नगर पालिका भीण्डर द्वारा पींजारा समाज को भूमि उपयोग संशोधन का जो आदेश वर्ष 2023 में पारित किया गया था उसे मंत्रालयिक कमेटी के प्रस्ताव के आधार पर 13 जनवरी 2026 को निरस्त कर दिया गया। इस निरस्तीकरण के आदेश 13 जनवरी 2026 से व्यथित होकर पींजारा समाज के अध्यक्ष अनवर हुसैन ने एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष अपने अधिवक्ता प्रमेन्द बोहरा के माध्यम से प्रस्तुत की। बोहरा का न्यायालय के समक्ष यह तर्क था कि मंत्रालयिक कमेटी द्वारा उन जमीनों का आवंटन रद्द किया गया, जो 01 अप्रेल 2023 से 14 दिसम्बर 2023 के मध्य आवंटन होने की प्रक्रियाधीन थी जबकि प्रार्थी पींजारा समाज को आंवटन तो वर्ष 2010 में ही हो चुका है, 01 अप्रेल 2023 से 14 दिसम्बर 2023 के मध्य तो केवल भूमि के उपयोग को परिवर्तित किया गया है, जिसके तहत भूमि का उपयोग कब्रिस्तान के स्थान पर अन्य उपयोग हेतु करने का आदेश पारित किया गया था। इसके बावजूद भी मंत्रालयिक कमेटी द्वारा प्रस्ताव एवं अधिशाषी अभियन्ता द्वारा मंत्रालयिक कमेटी द्वारा जो प्रस्ताव पारित किया गया है एवं उसकी आड में अधिशाषी अभियन्ता नगर पालिक भीण्डर द्वारा जो आदेश पारित किया गया है वो अनुचित एवं विधि विरूद्ध है। इसका भूमि उपयोग निरस्तीकरण आदेश पारित करने से पूर्व पींजारा समाज को ना तो कोई नोटिस दिया गया ना ही कोई सुनवाई का मौका दिया गया जो कि नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों के विरूद्ध है। प्रार्थी के तर्को से सहमत होते हुए उच्च न्यायालय ने स्वायत शासन विभाग, नगर पालिका भीण्डर, जिला उदयपुर व कलक्टर, उदयपुर को नोटिस जारी किये व साथ ही अधिशाषी अभियन्ता नगर पालिका भीण्डर जिला उदयपुर के आदेश दिनांक 13.01.2026 की क्रियान्विती पर रोक लगायी।

एसएससी भर्ती परीक्षा में हाईटेक नकल गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

देहरादून। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एसएससी मल्टी टास्किंग (नॉन-टेक्निकल) स्टाफ एवं हवलदार भर्ती परीक्षा-2025 में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को देहरादून के सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में साइबर/एसटीएफ के पुलिस महानिरीक्षक नीलेश आनंद भरणे ने बताया कि 13 फरवरी को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित एसएससी परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को पास कराने के नाम पर ठगी एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से नकल कराने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर उत्तराखंड एसटीएफ और उत्तर प्रदेश एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान देहरादून स्थित महादेव डिजिटल जोन, एम.के.पी. इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र में एक संदिग्ध सेटअप का खुलासा हुआ। परीक्षा लैब के समीप बने कक्ष में एक गुप्त चैंबर (गड्ढा) तैयार कर उसे ऊपर से ढक दिया गया था, जो बाहर से देखने पर सेफ्टी टैंक जैसा प्रतीत होता था। उक्त स्थान से दो लैपटॉप और राउटर के माध्यम से रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर (रियलवीएनसी/वीएम) का उपयोग कर परीक्षा प्रश्नपत्रों को हल कराया जा रहा था। उन्होंने बताया कि एसटीएफ टीम ने तकनीकी एवं फॉरेंसिक उपकरणों की सहायता से पूरे सिस्टम को कब्जे में लेकर सील कर दिया तथा मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नीतिश कुमार पुत्र चन्द्रभान गौड़, मूल निवासी भाटपार रानी, देवरिया (उ.प्र.), हाल निवासी नागलोई, दिल्ली तथा भास्कर नैथानी पुत्र दिनेश चन्द्र नैथानी, निवासी नथुवावाला, देहरादून के रूप में हुई है। पूछताछ में अभ्यर्थियों से परीक्षा में पास कराने के नाम पर प्रति अभ्यर्थी 10 लाख रुपये तक की मांग किए जाने का खुलासा हुआ है। मौके से दो डेल लैपटॉप, एक इथरनेट कनेक्टर एडेप्टर, दो कैट-06 केबल, एक डीजिसोल राउटर (चार्जर सहित), एक पीएनटी केबल कनेक्टिंग बॉक्स तथा चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस संबंध में कोतवाली देहरादून में मुकदमा अपराध संख्या 58/2026 दर्ज किया गया है। अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

उत्तराखंड में मौसम शुष्क, देहरादून में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना

लोकतंत्र की शान

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम शुष्क बना हुआ है और किसी भी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी एक सप्ताह तक राज्य में मौसम सामान्यतः शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार राजधानी देहरादून सहित अधिकांश जनपदों में आकाश मुख्यतः साफ से आंशिक रूप से बादलयुक्त रहने की संभावना है। देहरादून में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक बनी रह सकती है। पर्वतीय जिलों में आंशिक बादल छाए रहने के आसार हैं। किसी तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के संकेत फिलहाल नहीं हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हल्की बादल गतिविधि संभव है, लेकिन व्यापक बारिश या हिमपात की संभावना कम है। मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल किसी प्रकार की प्रतिकूल मौसम गतिविधि की आशंका नहीं है और प्रदेश में जनजीवन सामान्य बना रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश का मामला भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की सजा

न्यूयॉर्क। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक निखिल ने शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क की कोर्ट में गुनाह कबूल कर लिया है। 29 मई को सजा का औपचारिक ऐलान किया जाएगा। अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने एक्स पर पोस्ट कर निखिल गुप्ता के अपराध कबूलने की जानकारी दी। FBI के मुताबिक, यह साजिश एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए रची गई थी, जिसे अमेरिकी एजेंसियों ने समय रहते नाकाम कर दिया। US अटॉर्नी ऑफिस के बयान के मुताबिक, निखिल गुप्ता उर्फ 'निक' ने सेकंड सुपरसिडिंग इंडिक्टमेंट में लगाए गए तीनों आरोपों को स्वीकार किया है। इन आरोपों में मर्डर-फॉर-हायर, मर्डर-फॉर-हायर की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश शामिल है। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर विकास यादव ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश रचने को कहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया है कि भारतीय सरकार के एक कर्मचारी ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए एक हिटमैन की व्यवस्था करने को कहा था। यह आरोप मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में दाखिल इंडिक्टमेंट में लगाया गया था। उस कर्मचारी को आरोपपत्र में CC-1 कहा गया है

बांग्लादेश के चापाइनवाबगंज में देशी बम बनाने के दौरान धमाका, 2 की मौत, 3 घायल

नई दिल्ली। बांग्लादेश के चापाइनवाबगंज जिले में शनिवार सुबह करीब 5 बजे देशी बम बनाते समय विस्फोट हो गया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना चर बगडांगा यूनियन के पाथापाड़ा गांव की है। सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी नुरे आलम ने बताया कि घर के अंदर कथित तौर पर देशी बम तैयार किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। घायलों की पहचान पाथापाड़ा गांव के मिनहाज (52) और बाजलुर रहमान (20), तथा रानीहाटी के धूमी गांव निवासी मोहम्मद शुवो (20) के रूप में हुई है। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मकान की ईंटों की दीवारें ढह गईं और टिन की छत उड़कर दूर जा गिरी। आसपास के इलाके में भी अफरातफरी मच गई। पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोटक सामग्री किस उद्देश्य से तैयार की जा रही थी और इस घटना में अन्य कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

राजस्थान समेत 5 राज्यों में पारा 30°C पार

शिमला/भोपाल/जयपुर/रायपुर/लखनऊ। देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 13 से 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30°C के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30°C के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2°C और प्रयागराज में 30.4°C दर्ज किया गया। छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को हल्के बादल छाने से न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज हुई। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10°C से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -26°C, गंगोत्री में -21°C और बद्रीनाथ में -19°C दर्ज किया गया। झारखंड में पिछले 24 घंटों में चार जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इसमें डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा और गुमला शामिल है। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी हल्की बर्फबारी का दौर चल रहा है। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी है, इसके कारण यह अभी भी बंद है।

अमृतसर एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर SL-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नशे की तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। युद्ध नशे विरुद्ध यानी नशे के खिलाफ जंग को आगे बढ़ाते हुए कस्टम विभाग और सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता से काम कर रही हैं। इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि पंजाब में नशे की सप्लाई करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस और कस्टम विभाग अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के काफिले की गाड़ियां भिड़ीं, भाजपा नेता की कार अचानक बीच में घुसी

झुंझुनूं। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के काफिले में शामिल गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को भी चोट नहीं आई है। मामला झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी घाट क्षेत्र में शनिवार सुबह 10:45 का है। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा गुढ़ागौड़जी के एक प्राइवेट स्कूल के कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे, इसी दौरान ये हादसा हो गया। यहां से स्कूल की दूरी करीब 16 किमी रह गई थी। उपमुख्यमंत्री का काफिला उदयपुरवाटी घाट क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान भाजपा नेता जेपी खटाना अपनी कार लेकर अचानक काफिले के बीच में घुस गए। खटाना अपनी गाड़ी को पास के ही एक रिसॉर्ट के अंदर ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इतने में काफिले में चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी (सुरक्षा वाहन) अनियंत्रित होकर टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों के अनुसार, हादसे के वक्त डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की गाड़ी सुरक्षित रूप से आगे निकल चुकी थी। टक्कर मुख्य रूप से एस्कॉर्ट वाहन और भाजपा नेता की कार के बीच हुई। दोनों गाड़ियों की हेडलाइट्स और अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। टक्कर के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से काफिले को कुछ देर के लिए मौके पर ही रोकना पड़ा। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया। यह सुनिश्चित किया कि उपमुख्यमंत्री और काफिले के अन्य सदस्य सुरक्षित हैं। कुछ समय के ठहराव और जांच के बाद उपमुख्यमंत्री एमजी ग्लोबल स्कूल (गुढ़ागौड़जी) के लिए रवाना हो गए। एमजी ग्लोबल स्कूल के कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला में सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया

रूस-चीन के डिफेंस सिस्टम फेल हो गए, कहा- एक दिन सब पता चलेगा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि वेनेजुएला में 3 जनवरी को हुए सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका ने एक सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया। ट्रम्प के मुताबिक इस हथियार की वजह से रूस और चीन के डिफेंस सिस्टम काम नहीं कर पाए। नॉर्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग सैन्य बेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने इस हथियार को 'डिसकम्बोबुलेटर' कहा। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया।

ट्रम्प ने कहा वेनेजुएलाई सैनिकों को एक भी गोली चलाने का मौका नहीं मिला। रूसी उपकरण काम नहीं किए। चीनी उपकरण काम नहीं किए। सब यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा क्यों हुआ। एक दिन आपको इसके बारे में पता चलेगा।। यह पहली बार है जब ट्रम्प ने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में इस सीक्रेट हथियार का जिक्र किया है। इससे पहले वह एक बार जिक्र कर चुके थे। पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा

था, "मुझे इसके बारे में बात करने की अनुमति नहीं है। लेकिन इतना बता दूं, सब कुछ गड़बड़ा दिया गया था।"

अमेरिका ने हमले के लिए 150 विमानों का इस्तेमाल किया: अमेरिकी जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन एयर फोर्स जनरल डैन केन के मुताबिक, वेनेजुएला पर हमले के लिए 20 ठिकानों से 150 से ज्यादा विमानों ने उड़ान भरी। इनमें बॉम्बर्स, फाइटर जेट, इंटेलिजेंस और सर्विलांस प्लेटफॉर्म शामिल थे। इस ऑपरेशन में अमेरिकी सैनिक रात के अंधेरे में हेलिकॉप्टर से वेनेजुएला की राजधानी कराकास पहुंचे। उन्होंने भारी सुरक्षा के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया। वेनेजुएला के अधिकारियों के मुताबिक, हमले की शुरुआत अमेरिकी बमबारी से हुई थी, जिसमें सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई में 83 लोगों की मौत हुई और 112 से ज्यादा लोग घायल हुए। ट्रम्प ने बताया कि किसी भी अमेरिकी सैनिक की मौत नहीं हुई, लेकिन तीन हेलिकॉप्टर पायलट घायल हुए हैं। अमेरिका पर वेनेजुएला में सोनिक हथियार इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने एक बेहद शक्तिशाली और अब तक न देखे गए हथियार का इस्तेमाल किया, जिससे वेनेजुएला के सैनिक पूरी तरह बेबस हो गए थे। एक वेनेजुएलाई सिक्योरिटी गार्ड ने पिछले महीने बताया कि ऑपरेशन शुरू होते ही उनके सभी रडार सिस्टम अचानक बंद हो गए। इसके कुछ ही सेकेंड बाद उन्होंने आसमान में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ते देखे।

दावा-अफसर रिटायर होकर 20 साल बुक पब्लिश नहीं करा सकेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार रिटायरमेंट के बाद सीनियर पोस्ट पर रहे अधिकारियों के लिए 20 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने पर विचार कर रही है। इस दौरान अफसर अपनी सर्विस से जुड़ी किताब प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। हाल ही में पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अनपब्लिश किताब विवादों में है। हिंदुस्तान टाइम्स (HT) की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। कई मंत्रियों का मानना था कि मिलिट्री अधिकारियों समेत अहम पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड होना चाहिए। HT के सूत्रों के मुताबिक यह मुद्दा कैबिनेट के आधिकारिक 27 पॉइंट्स के एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान उठा। हालांकि, इस पर जल्द ही आदेश जारी हो सकता है।

राहुल किताब संसद लेकर पहुंचे, FIR भी हुई: पूर्व आर्मी चीफ नरवणे के मेमॉयर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर विवाद 2 फरवरी को शुरू हुआ था। लोकसभा

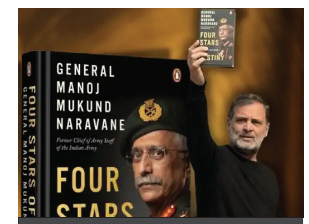

♦ सरकार आदेश जारी कर सकती है, पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब पर विवाद

में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मेमॉयर में बताई गई घटनाओं का जिक्र करने की कोशिश की, और सरकार ने इस पर कड़ा एतराज जताया, क्योंकि किताब पब्लिश नहीं हुई थी। बाद में गांधी किताब की एक कॉपी संसद में लाए, ताकि यह साबित हो सके कि किताब मौजूद है। जल्द ही, किताब का PDF सोशल मीडिया पर शेयर होने लगा। संसद से सामने आए मुद्दे पर दिल्ली पुलिस ने FIR दर्ज की। डिजिटल और दूसरे फॉर्मेट में मैन्युस्क्रिप्ट के गैर-कानूनी सर्कुलेशन की जांच शुरू कर दी। किताब की पब्लिशर पेंगुइन इंडिया ने एक बयान में कहा- किताब से जुड़ा जितना हिस्सा सर्कुलेशन में है, कॉपीराइट का उल्लंघन है।

इमाम बोले-जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें

एजेंसी, उज्जैन

केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुसलमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे। हम कहेंगे कि जिन स्कूलों में वंदे मातरम् को अनिवार्य किया जा रहा है, वहां से सभी मुसलमान अपने बच्चों को निकाल लें। हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते कि वह इस्लाम में रहकर किसी और

♦ उज्जैन में कहा- यह हमारी धार्मिक आजादी पर हमला, फैसला वापस ले सरकार

खुदा की इबादत करे। यह फैसला कानून के खिलाफ है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि अपना फैसला वापस ले।

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी जता चुके विरोध इससे पहले भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी केंद्र सरकार के इस फैसले का विरोध जता चुके हैं। मसूद ने 12 फरवरी को कहा था- भारत एक प्रजातांत्रिक देश है। हमें संविधान के आर्टिकल 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है।

भारत से रिश्तों में बांग्लादेश का हित जरूरी आज से सभी आजाद: तारिक रहमान

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश आम चुनाव में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की। उन्होंने भारत-बांग्लादेश रिश्तों से जुड़े एक सवाल पर कहा कि हम बांग्लादेश के हितों को सबसे ऊपर रखेंगे। तारिक रहमान ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि रास्ते और विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के हित में सभी को साथ रहना होगा। उनके मुताबिक, राष्ट्रीय एकता ही देश की ताकत है और बंटवारा कमजोरी। तारिक ने कहा कि आज से देश में सच्चे अर्थों में आजादी और अधिकार बहाल हुए हैं। उन्होंने बांग्लादेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि लोगों ने सभी मुश्किलों को पार कर देश में लोकतंत्र की राह बनाई है।

रहमान बोले- लोगों ने 15 साल बाद जवाबदेह सरकार चुनी: BNP अध्यक्ष ने कहा कि देश अब एक नई शुरुआत करने जा रहा है, लेकिन उसे कमजोर अर्थव्यवस्था, कमजोर संविधान और खराब कानून-व्यवस्था जैसी चुनौतियों का सामना करना होगा। तारिक रहमान ने कहा कि डेढ़ दशक से ज्यादा समय

बाद जनता के सीधे वोट से ऐसी संसद और सरकार बनी है, जो लोगों के लिए जवाबदेह होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी बुरी ताकत को दोबारा तानाशाह बनने से रोकने और देश को बचाने के लिए सभी को एकजुट रहना होगा और जनता की इच्छा का सम्मान करना होगा। उन्होंने बताया कि इस चुनाव में कुल 51 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। रिजल्ट चाहे जो भी रहे हों, सभी पार्टियों को बधाई।

राजनीतिक दल ही लोकतंत्र की असली ताकत: तारिक ने कहा कि लोकतांत्रिक सिस्टम में राजनीतिक दल ही लोकतंत्र की असली ताकत होते हैं। अगर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएं, तो देश में लोकतंत्र मजबूत होगा। आखिर में उन्होंने चुनाव में हिस्सा लेने वाले सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्र निर्माण की प्रोसेस हिस्सा लेने और सुझाव देने की अपील की।

BNP+गठबंधन ने 212 सीटें हासिल कीं: बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में BNP ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रथोम ओलो के मुताबिक BNP+गठबंधन ने 299 सीटों में से 212 सीटें हासिल की। जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को 77 सीटें मिलीं। देश में करीब 20 साल बाद BNP की सरकार बनेगी। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ BNP अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। तारिक रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई तारिक, उनकी टीम और बाकी सभी को बधाई। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं।

जर्मन चांसलर मर्ज बोले- यूरोप की आजादी की गारंटी नहीं, अमेरिका से रिश्तों में गहरी दरार

एजेंसी, म्यूनिख

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (MSC) को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे।

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद बनी व्यवस्था खत्म हुई: मर्ज ने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। मर्ज ने कहा कि ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल

नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म

सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं। मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। उनके मुताबिक, अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है। मर्ज ने साफ किया कि नाटो सिर्फ यूरोप के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। यह गठबंधन दोनों पक्षों को मजबूत बनाता है। इसलिए उन्होंने कहा, "आइए, हम मिलकर ट्रांस-अटलांटिक भरोसे को फिर से मजबूत करें। मर्ज के मुताबिक, यूरोप नाटो के भीतर ही एक मजबूत ताकत बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, ताकि साझेदारी बराबरी की हो। उन्होंने यह भी माना कि मर्ज ने पिछले साल म्यूनिख में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान का जिक्र करते हुए उन पर खुलकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "MAGA आंदोलन की सांस्कृतिक लड़ाई हमारी नहीं है।" पिछले साल म्यूनिख सम्मेलन में जेडी वेंस ने यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी, आप्रवासन और पारंपरिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर टिप्पणी की थी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ का बजट पेश किया

एजेंसी, अमरावती

आंध्र प्रदेश की सरकार ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया। बजट में कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया गया है। राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने बताया कि बजट में कुल 3,32,205 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। राज्य के बजट में राजस्व व्यय 2.56 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय लगभग 54,000 करोड़ रुपये रहने का प्रस्ताव रखा गया है।

वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की प्रमुख पहलों में रायलसीमा ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब, विशाखापत्तनम, अमरावती और तिरुपति में शहरी आर्थिक क्षेत्र और आंध्र प्रदेश वेल्थ फंड को शामिल किया। पय्यावुला केशव ने अपने बजट भाषण में कहा कि

बजट केवल आंकड़ों का ब्योरा नहीं है, बल्कि यह पांच करोड़ लोगों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक कार्ययोजना है। वित्त मंत्री ने अमरावती के विकास में केंद्र सरकार के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद कहा।

बजट में स्कूल शिक्षा के लिए 32,308 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग के लिए 19,306 करोड़ रुपये, कृषि एवं संबद्ध विभाग के लिए 13,598 करोड़ रुपये, पंचायती राज और ग्रामीण विकास के लिए 22,942 करोड़, ऊर्जा विभाग को 13,934 करोड़ रुपये और जल संसाधन के लिए 18,224 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. हेडगेवार की प्रतिमा का अनावरण किया, बोलीं- राष्ट्र प्रथम की भावना को देगी प्रेरणा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शाहदरा के डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पहले सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की प्रतिमा का शनिवार को अनावरण किया। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने जो विचार और लक्ष्य शुरू किया था, वह आज मजबूत और विशाल संगठन के रूप में देश सेवा कर रहा है। व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज को संगठित करने का उनका मार्ग आज भारत के सांस्कृतिक जागरण की मजबूत नींव बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान में लगी यह प्रतिमा केवल स्मारक नहीं है, बल्कि यह सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना की प्रेरणा देती रहेगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, विश्वास नगर के विधायक ओम प्रकाश शर्मा, लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा, शाहदरा के विधायक संजय गोयल, कृष्णा नगर के विधायक अनिल गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल की बढ़ती जरूरत को देखते हुए इसके विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां नई मंजिल बनाई जाएगी और आधुनिक चिकित्सा मशीनें लगाई जाएंगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि संस्थान में जो भी कमियां हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि विस्तार के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर काम

जल्द शुरू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुनापार की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए मजबूत और व्यवस्थित हेल्थ नेटवर्क बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के एक साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य कवर को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों के लिए 'वय वंदन योजना' की शुरुआत की गई है। अब तक 7 लाख से अधिक नागरिक इस योजना में पंजीकृत हो चुके हैं और लगभग 30,000 लोगों को उपचार का लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में अब तक 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जा चुके हैं और 1100 केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को पूर्ण रूप से डिजिटल किया जा चुका है। अब प्रत्येक मरीज का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड उपलब्ध है, ऑनलाइन ओपीडी अपॉइंटमेंट की सुविधा शुरू कर दी गई है और किसी भी अस्पताल में उपचार का पूरा इतिहास एक क्लिक में देखा जा सकता है। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, बल्कि उपचार प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित होगी। पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा के कारण कई अस्पतालों में आवश्यक मशीनों का अभाव था, लेकिन वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। जीबी पंत अस्पताल में अत्याधुनिक सीटी स्कैनर, न्यूरो लैब और न्यूरो आईसीयू जैसी सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि आज डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान कड़कड़डूमा में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की प्रतिमा का अनावरण हम सबके लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण है। जिस अस्पताल का नाम उनके आदर्शों पर आधारित हो और वहां उनके जीवन एवं योगदान का कोई प्रतीक चिन्ह न हो, यह निश्चित रूप से एक कमी थी। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेकर उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। उनकी यह प्रतिमा 'राष्ट्र प्रथम से राष्ट्र निर्माण' के उनके संदेश को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 ज़ारी-भारत की 10 पायदान की छलांग-दो देशों द्वारा वीज़ा-फ्री सुविधा समाप्त- तारीफ़ आलोचना और वैश्विक संदर्भ में व्यापक विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारत ने 2006 में 71वीं सर्वोच्च रैंक हासिल की थी अब आगे 2027 में उससे बेहतर प्रदर्शन करने की नीति निर्धारकों से अपेक्षा

» हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत की 10 पायदान की छलांग प्रशंसनीय,कूटनीतिक सक्रियता का संकेत परंतु दो देशों द्वारा वीज़ा-फ्री सुविधा समाप्त किया जाना चेतावनी भी है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक गतिशीलता के इस दौर में पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज़ नहीं,बल्कि किसी राष्ट्र की कूटनीतिक विश्वसनीयता, आर्थिक ताकत और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का सूचक बन चुका है।वर्ष 2026 के हेनली एंड पार्टनर्स द्वारा जारी हेनली पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने 10 पायदान की उल्लेखनीय छलांग लगाते हुए 85वें स्थान से 75वें स्थान पर पहुंचकर एक सकारात्मक संदेश दिया है।भारतीय पासपोर्ट धारक अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं।लेकिन इसी के साथ यह तथ्य भी सामने आया कि दो देशों ने भारतीयों के लिए वीजा-फ्री सुविधा समाप्त कर दी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है क़ि दो देश घटे तो रैंकिंग कैसे सुधरी ?और 2006 में हासिल 71वीं सर्वोच्च रैंक अब तक क्यों नहीं मिल पाई ?इन दोनों पहलुओं को प्रशंसा और आलोचना,दोनों दृष्टिकोणों से समझना आवश्यक है।जहां एक और 10 रैंक की छलांग है तो दूसरी ओर ईरानःनवंबर 2025 में वीजा-फ्री सुविधा बंद कर दी गई। वजह थी धोखाधड़ी और ट्रैफिकिंग के मामले, जिनमें भारतीय नागरिकों को फर्जी नौकरी ऑफर देकर ईरान बुलाया गया और फिर किडनैप किया गया।बोलीवियाः पहले वीजा-ऑन-अराइवल मिलता था, लेकिन 2026 से ई-वीजा लागू कर दिया गया। अब पहले से ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी है,इसलिए यह वीजा- फ्री कैटेगरी में बिलकुल ही नहीं आता। <साथियों बात अगर हम हेनले पासपोर्ट इंडेक्स को गहराई से समझने की करें तो,विश्व के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट की ताकत को इस आधार पर रैंक करता है कि उनके नागरिक कितने देशों में बिना पूर्व वीजा के प्रवेश कर सकते हैं। इस इंडेक्स के निर्माण में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डेटा का

उपयोग किया जाता है, जिसे हेनले की रिसर्च टीम विश्लेषित करती है।रैंक जितनी ऊंची, पासपोर्ट उतना शक्तिशाली। इस पैमाने पर देखें तो भारत का 75 वें स्थान पर पहुंचना एक उपलब्धि है,क्योंकि यह दर्शाता है कि भारतीय नागरिकों कीवैश्विक स्वीकार्यता और भारत की कूटनीतिक सक्रियता में सुधार हुआ है। साथियों बात अगर हम दो देश घटे,फिर भी रैंकिंग सुधरी कैसे? इसको समझने की करें तो,यह विरोधाभास प्रतीत हो सकता है कि वीजा-फ्री देशों की संख्या में कमी के बावजूद भारत की रैंकिंग बेहतर हुई। इसका उत्तर इंडेक्स की सापेक्ष प्रकृति में छिपा है।हेनले इंडेक्स पूर्णांक नहीं,बल्कि तुलनात्मक रैंकिंग है। यदि अन्य देशों की स्थिति अधिक तेजी से गिरी हो या कुछ देशों की वीजा सुविधाओं में कटौती हुई हो,तो भारत भले ही सीमित वृद्धि करे,उसकी रैंक ऊपर जा सकती है। दूसरे शब्दों में, रैंकिंग केवल अपने प्रदर्शन पर नहीं,बल्कि दूसरों के प्रदर्शन पर भी निर्भर करती है।यदि कुछ अफ्रीकी एशियाई या लैटिन अमेरिकी देशों की वीजा-फ्री पहुंच कम हुई हो,तो भारत तुलनात्मक रूप से ऊपर आ सकता है।तारीफ़ के दृष्टिकोण से देखें तो यह संकेत है कि भारत ने वैश्विक मंच पर संतुलित कूटनीति अपनाई है। अफ्रीका,दक्षिण-पूर्व एशिया और कैरिबियन देशों के साथ भारत के संबंधों में सुधार हुआ है। जिन देशों में भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा-फ्री सुविधा मिलती है,उनमें अंगोला बर्बाडोस,भूटान ,फिजी ,मलेशिया मौर्याशिस,नेपाल ,थाईलैंड और त्रिनिदाद and तोबागो जैसे देश शामिल हैं। यह सूची दर्शाती है कि भारत की उपस्थिति उभरते और विकासशील देशों में मजबूत हुई है।आलोचना के दृष्टिकोण से देखें तो 56 देशों की वीजा-फ्री पहुंच अभी भी वैश्विक औसत से कम है। शीर्ष देशों की तुलना करें तो स्थिति स्पष्ट होती है। इंडेक्स में प्रथम स्थान पर सिंगापुर है, जिसके नागरिक 192 गंतव्यों तक वीजा-फ्री पहुंच रखते हैं। दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिनकी पहुंच 187 देशों तक है। तीसरे स्थान पर स्वीडन और यूनाइटेड अरब अमीरात हैं। चौथे स्थान पर फ्रांस ,जर्मनी,इटली ,स्पेन और स्विट्ज़रलैंड संयुक्त रूप से हैं। पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रेया , ग्रीस माल्टा और पोर्टगाल हैं। शीर्ष 10 में ऑस्ट्रेलिया यूनाइटेड किंगडम ,

कनाडा और न्यूजीलैड भी शामिल हैं। तुलना से स्पष्ट है कि भारत अभी भी शीर्ष देशों से काफी पीछे है। साथियों बात अगर हम दो देशों द्वारा वीजा-फ्री सुविधा समाप्त, यह चिंता का विषय इसको समझने की करें तो रिपोर्ट के अनुसार दो देशों ने भारतीयों के लिए वीजा-फ्री सुविधा समाप्त की, कथित तौर पर कुछ भारतीय नागरिकों की गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्तता के कारण। यह बिंदु आलोचना का आधार बनता है। किसी भी देश की यात्रा स्वतंत्रता केवल सरकार की कूटनीति पर निर्भर नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के आचरण पर भी निर्भर करती है,यदि अवैध आव्रजन, ओवरस्टे, या स्थानीय कानूनों का उल्लंघन बढ़ता है, तो संबंधित देश वीजा नियम सख्त कर सकते हैं। इस संदर्भ में भारत को न केवलकूटनीतिक स्तरपर,बल्कि प्रवासी प्रबंधन और जागरूकता स्तर पर भी सुधार की आवश्यकता है। तारीफ़ के दृष्टिकोण से यह कहा जा सकता है कि दो देशों की कटौती के बावजूद समग्र स्कोर स्थिर या बेहतर रहा, जो दर्शाता है कि अन्य देशों के साथ संबंधों में सुधार ने इस नुकसान की भरपाई की। भारत की 'एक्ट ईस्ट', 'नेबरहुड फर्स्ट' और अफ्रीका-आउटरीच नीतियों ने यात्रा सहयोग को बढ़ावा दिया है। साथियों बात अगर हम 2006 की सर्वोच्च रैंक क्यों नहींदोहराई गई? इसको समझने की करें तो, भारत ने 2006 में 71वींसर्वोच्च रैंक हासिल की थी।तब वैश्विक भू- राजनीतिक परिदृश्य अलग था। 9/11 के बाद सुरक्षाकड़े हुए थे,परंतु डिजिटल निगरानी और आव्रजन नियंत्रण उतने व्यापक नहीं थे जितने आज हैं। पिछले दो दशकों में अवैध आव्रजन, शरणार्थी संकट, आतंकवाद और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के कारण कई देशों ने वीजा नियम कड़े किए हैं।भारत जैसे जनसंख्या-समृद्ध देश के नागरिकों पर अतिरिक्त जांच लागू होना स्वाभाविक हो गया है। साथियों बातें कर हम आलोचना और तारीफ के दृष्टिकोण से बात को समझने की करें तो भारत की आर्थिक वृद्धि के बावजूद उच्च आय वाले देशों विशेषकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका,के साथ वीजा उदारीकरण सीमित रहा है।शेंगेन क्षेत्र,अमेरिका या कनाडा में वीजा प्रक्रिया अभी भी जटिल है। इससे पासपोर्ट की रैंक पर सीधा प्रभाव पड़ता है।तारीफ़ के दृष्टिकोण से देखें तो 2006 के बाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। कई छोटे देशों जैसे यूएई ने आक्रामक कूटनीति से अपनी रैंक तेजी से सुधारी है।ऐसे में भारत का स्थिर प्रगति पथ भीमहत्वपूर्ण है। 75वीं रैंक यह संकेत देती है कि भारत गिरावट की लंबी अवधि से बाहर निकल रहा है। साथियों बात अगर हम क्षेत्रीय तुलना और दक्षिण एशिया का संदर्भ के एंगल से समझने की करें तो इंडेक्स में पाकिस्तान 97 वें स्थान पर है,जो पाकिस्तान की वैश्विक गतिशीलता की सीमाओं को दर्शाता है। वह फ़लेस्तिन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे है। दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन वैश्विक औसत से अभी भी पीछे है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक अवसरों और प्रवासन प्रवृत्तियों से जुड़ा मुद्दा है।पासपोर्ट की अवधारणा और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा-पासपोर्ट केवल पहचान पत्र नहीं; यह राष्ट्र की साख का प्रतीक है। जब कोई देश अपने नागरिकों को बिना वीजा प्रवेश देता है, तो वह उस देश की सुरक्षा व्यवस्था,आर्थिक स्थिरता और नागरिकों की विश्वसनीयता पर भरोसा दर्शाता है। इस दृष्टि से भारत की रैंक में सुधार उसकी वैश्विक छवि में क्रमिक सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि उपलब्धि भी, चुनौती भी,हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत की 10 पायदान की छलांग प्रशंसनीय है। यह कूटनीतिक सक्रियता,वैश्विक साझेदारियों और आर्थिक स्थिरता का संकेत है। दो देशों द्वारा वीजा-फ्री सुविधा समाप्त किया जाना चेतावनी भी है कि नागरिक आचरण और आव्रजन प्रबंधन पर सतत ध्यान आवश्यक है। 2006 की सर्वोच्च रैंक अब तक न दोहराया जाना यह दर्शाता है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा चिंताओं के बीच यात्रा स्वतंत्रता हासिल करना जटिल प्रक्रिया है।तारीफ़ के एंगल से देखें तो भारत ने गिरावट के दौर से उबरकर स्थिर प्रगति की है और दक्षिण एशिया में अपनी स्थिति मजबूत रखी है। आलोचना के एंगल से देखें तो अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है,विशेषकर विकसित देशों के साथ वीजा उदारीकरण में।इसलिए पासपोर्ट की ताकत केवल सरकार की नीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि नागरिकों के वैश्विक व्यवहार,आर्थिक विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास का संयुक्त प्रतिबिंब है। भारत के लिए यह रैंकिंग एक अवसर भी है और आत्ममंथन का क्षण भी,ताकि आने वाले वर्षों में वह न केवल 2006 की रैंक को पार करे, बल्कि वैश्विक गतिशीलता में एक नई पहचान स्थापित करे।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

शिखर ही लक्ष्य

लेखक- अखिलेश जैन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। प्रधानमंत्री जी की कार्यशैली मैं स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100% तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है। सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, जो की 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे। यही प्रति व्यक्ति आय 2024 - 2025 में 235000 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है। 2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024 - 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234859 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है। भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था जो 2024 - 2025 में भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। अर्थात् 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है। वैश्विक निवेश की मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) वित्त वर्ष 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। वित्त वर्ष 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 % की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति और 13 वर्षों बजट है। 2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025- 2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है। लगभग दस गुना बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है। हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है। भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है। नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट हो गई, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है। 2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80% हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है। उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है। इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा। मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बेंगलुरु, दिल्ली से बनारस और बनारस से सिलीगुड़ी।

रेलवे सुधारों पटरी पर नई एक्सप्रेस ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है

विनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय रेल केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक,सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की धमनियों में प्रवाहित होने वाला जीवन प्रवाह है। ब्रिटिश काल में बिछी रेल पटरियों से लेकर स्वतंत्र भारत के औद्योगिक और सामाजिक पुनर्निर्माण तक,रेल ने देश को जोड़ा,गति दी और एक राष्ट्र की भौगोलिक विविधताओं को एक साझा अनुभव में पिरोया।आज जब भारत 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ 21वीं सदी के तीसरे दशक में आगे बढ़ रहा है,तब भारतीय रेल स्वयं को एक पारंपरिक परिवहन सेवा से बदलकर एक आधुनिक, तकनीक-संचालित,लॉजिस्टिक्स-सक्षम और ग्राहक-केंद्रित परिवहन इकोसिस्टम के रूप में पुनर्परिभाषित कर रही है। रेल मंत्रालय द्वारा घोषित 'बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाएं' और 'गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के माध्यम से रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' की रणनीति,भारतीय रेल के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखी जा सकती है। यह सुधार केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर,औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला,और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला कदम है।रेल

यात्रा अनुभव के संदर्भ में भारतीय रेल लंबे समय से आम नागरिकों की जीवनरेखा रही है,परंतु यात्रियों की अपेक्षाएं समय के साथ बदलती गई हैं।स्वच्छता,आराम,समय बद्धता और सेवा गुणवत्ता अब केवल सुविधा नहीं बल्कि अधिकार के रूप में देखी जाने लगी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में रेलवे द्वारा सामान्य डिब्बों सहित सभी कोचों में निरंतर सफाई की व्यवस्था लागू करने का निर्णय ऐतिहासिक महत्व रखता है। सामान्य श्रेणी के यात्रियों को अब तक सुविधाओं के मामले में अक्सर उपेक्षित माना जाता रहा है,किंतु वर्तमान सुधारों का केंद्रबिंदु यही वर्ग है,जो भारतीय रेल के सामाजिक लोकतंत्र का प्रतीक है। रेलवे द्वारा बेहतर लिनन प्रबंधन और कोच सफाई के लिए सेवा प्रदाता की पहचान तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव,भारतीय रेल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है।एआई सक्षम निगरानी प्रणाली केवल सफाई की निगरानी तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि यह सेवा गुणवत्ता,शिकायत निवारण और प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक डेटा-आधारित प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है।इससे रेलवे प्रशासन के निर्णय अधिक वैज्ञानिक,पारदर्शी और उत्तरदायी बनेंगे।रेलवे सुधारों का दूसरा और अधिक व्यापक आयाम रेल- आधारित लॉजिस्टिक्स और मल्टी-मॉडल टर्मिनलों के रूप में सामने आया है।वर्तमान में देश में 124 मल्टी- मॉडल टर्मिनल कार्यरत हैं,जिन्हें अब 'कार्गो-प्लस-प्रोसेसिंग हब' के रूप में विकसित करने की योजना है।इसका अर्थ यह है कि रेल टर्मिनल केवल माल लोड और अनलोड करने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग,भंडारण,प्रसंस्करण और वितरण के केंद्र बनेंगे।यह अवधारणा विकसित देशों के लॉजिस्टिक्स मॉडल के अनुरूप है, जहां परिवहन केंद्र आर्थिक गतिविधियों के क्लस्टर के रूप में कार्य करते हैं।इसके अतिरिक्त, 500 से अधिक गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों की योजना भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत विभिन्न परिवहन माध्यमों—रेल, सड़क, जलमार्ग और वायु मार्ग—के एकीकरण का जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है,भारतीय रेल उसमें केंद्रीय भूमिका निभाने जा रही है।रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स लागत-कुशल,ऊर्जा-कुशल और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक संरचना वाले देश में, जहां माल परिवहन की लागत सकल घरेलू उत्पाद का महत्वपूर्ण हिस्सा है,रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं। लॉजिस्टिक्स सुधारों का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि,उद्योग,व्यापार और निर्यात क्षेत्र पर पड़ेगा।कृषि उत्पादों की समयबद्ध ढुलाई,औद्योगिक कच्चे माल की आपूर्ति, तैयार माल का वितरण और ई-कॉमर्स की बढ़ती मांग ऑल इन क्षेत्रों में रेल आधारित कार्गो नेटवर्क एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।विशेष रूप से भारत के अंतर्देशीय और दूरस्थ क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों का विस्तार होगा,जहां सड़क और अन्य परिवहन साधन सीमित हैं। भारतीय रेल द्वारा फील्ड लर्निंग और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के आधार पर इन सुधारों को पूरे नेटवर्क में लागू करने की योजना, प्रशासनिक परिपक्वता और व्यावहारिक दृष्टिकोण का संकेत है। अक्सर बड़े पैमाने पर लागू की गई योजनाएं जमीनी स्तर पर असफल हो जाती हैं,किंतु चरणबद्ध कार्यान्वयन और फील्ड अनुभव से सीखने की रणनीति नीति निर्माण में आधुनिक शासन मॉडल को दर्शाती है।रेलवे सुधारों का यह अभियान केवल तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहीं है,बल्कि यह एक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का वाहक है।भारतीय रेल लोकतांत्रिक भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक संस्थान है,जहां अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण,सभी एक ही डिब्बे में यात्रा करते हैं।इसलिए जब सामान्य कोचों की सफाई और सेवा गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाती है,तो यह सामाजिक न्याय और समावेशन की भावना को भी प्रतिबिंबित करता है।डिजिटल निगरानी,एआई आधारित प्रणाली और सेवा प्रदाताओं के माध्यम से सफाई और लिनन प्रबंधन की गुणवत्ता सुधारने का उद्देश्य केवल दृश्य स्वच्छता नहीं,बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और यात्री संतोष को बढ़ाना भी है। स्वच्छता केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि गरिमा और सुरक्षा का प्रश्न है।कोविड-19 महामारी के बाद स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति नागरिकों की संवेदनशीलता बढ़ी है , भारतीय रेल का यह कदम उसी चेतना का परिणाम है।भारतीय रेल द्वारा लॉजिस्टिक्स हब के रूप में टर्मिनलों के विकास से निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश के नए अवसर भी खुलेंगे।सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से आधुनिक वेयरहाउसिंग,कोल्ड स्टोरेज,प्रोसेसिंग यूनिट्स और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं।इससे रोजगार सृजन,क्षेत्रीय विकास और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।भारत की अर्थव्यवस्था में लॉजिस्टिक्स की लागत लगभग 13-14 प्रतिशत आंकी जाती है, जो विकसित देशों की तुलना में अधिक है।रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधारों से इस लागत में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि यह लक्ष्य सफल होता है,तो भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे,निर्यात बढ़ेगा और 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को ठोस आधार मिलेगा।रेलवे सुधारों का यह अभियान उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है,जिसमें भारत अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक,टिकाऊ और डिजिटल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाई-स्पीड रेल,समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास, .वंदे भारत ट्रेनें,और डिजिटल टिकटिंग -ये सभी पहलें एक समग्र परिवहन क्रांति की ओर संकेत करती हैं।ऑन-बोर्ड सेवाओं में सुधार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार इस क्रांति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।इस परिवर्तन की सफलता प्रशासनिक क्षमता,तकनीकी कार्यान्वयन, वित्तीय संसाधनों और नागरिक सहभागिता पर निर्भर करेगी।सेवा प्रदाताओं की पारदर्शी नियुक्ति, एआई सिस्टम की विश्वसनीयता, डेटा सुरक्षा,और जमीनी स्तर पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण - ये सभी कारक सुधारों की स्थिरता और प्रभावशीलता को निर्धारित करेंगे। भारतीय रेल के सुधारों की यह नई एक्सप्रेस केवल पटरियों पर दौड़ती ट्रेन नहीं,बल्कि भारत के विकास पथ पर दौड़ती परिवर्तन की रेलगाड़ी है। यह सुधार भारत के आम नागरिक को बेहतर यात्रा अनुभव, उद्योग को कुशल लॉजिस्टिक्स,और राष्ट्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जब सामान्य कोच का यात्री स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में यात्रा करेगा,जब किसान का उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेगा,जब उद्योग को कच्चा माल सस्ती और तेज़ गति से मिलेगा,और जब भारत का निर्यात वैश्विक बाजार में नई पहचान बनाएगा - तब यह कहा जा सकेगा कि भारतीय रेल ने केवल पटरियां नहीं बिछाईं,बल्कि विकसित भारत की राह भी प्रशस्त की।भारतीय रेल के इस परिवर्तन कारी अभियान को केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं,बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।यह मिशन भारत की गति, दिशा और नियति को आकार देने वाला है।रेल की सीटी केवल स्टेशन पर आगमन का संकेत नहीं,बल्कि भारत के भविष्य के आगमन की उद्घोषणा है। वही ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है ।

दाढ़ी पर नहीं, सोच पर बहस ज़रूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

फैशन, पहचान और भ्रमः आज के युवाओं के सामने असली चुनौती हर दौर की अपनी पहचान होती है। यह पहचान केवल कपड़ों, हेयर-स्टाइल या चेहरे पर उगे बालों से नहीं बनती, बल्कि उस सोच से बनती है जो व्यक्ति और समाज—दोनों को दिशा देती है। आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे कैसे दिखते हैं यह कम, और क्या सोचते हैं तथा किसका अनुकरण करते हैं—यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बाहरी आकर्षण, सोशल मीडिया की चमक और तात्कालिक लोकप्रियता ने पहचान की परिभाषा को सतही बना दिया है। बीते कुछ वर्षों में दाढ़ी को लेकर एक तीखी बहस उभरी है। कुछ लोग इसे आधुनिक फैशन का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे सांस्कृतिक भ्रम और अंधानुकरण का उदाहरण। यह बहस तब और जटिल हो जाती है जब इसे धर्म, राजनीति या साज़िश से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में ज़रूरी है कि हम भावनाओं से ऊपर उठकर, शोर से दूर रहकर, विवेकपूर्ण और तथ्यपरक दृष्टि से इस विषय को देखें। क्योंकि जब मुद्दे विचार के बजाय पहचान की लड़ाई बन जाते हैं, तब समाधान नहीं, विभाजन पैदा होता है। इतिहास गवाह है कि दाढ़ी और क्लीन शेव—दोनों ही भारतीय समाज का हिस्सा रहे हैं। वैदिक काल के ऋषि-मुनि जटाधारी थे, तो राजदरबारों में सुसज्जित, साफ़-सुथरे व्यक्तित्व भी दिखाई देते थे। मध्यकाल हो या आधुनिक काल—हर युग में दोनों प्रकार के रूप साथ-साथ मौजूद रहे। स्वतंत्रता संग्राम के समय महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, पंडित नेहरू—सभी का रूप अलग था, पर उद्देश्य एक। स्पष्ट है कि दाढ़ी कोई नई या बाहरी चीज़ नहीं है, और न ही क्लीन शेव कोई विदेशी अवधारणा। दोनों ही समय, परिस्थिति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदलते रहे हैं। आज दाढ़ी का चलन केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक फैशन का हिस्सा बन चुका है। हॉलीवुड, यूरोपीय फैशन, खेल जगत, संगीत उद्योग और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स—हर जगह दाढ़ी अलग-अलग शैलियों में दिखाई देती है। सोशल मीडिया ने इन रुझानों को और तेज़ कर दिया है। एक तस्वीर, एक वीडियो या एक रील के ज़रिये ट्रेंड पल भर में दुनिया भर में फैल जाते हैं। ऐसे में यह मान लेना कि कोई एक उद्योग, समूह या विचारधारा ही किसी फैशन को "फैला" रही है, वास्तविकता का सरलीकरण होगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंधानुकरण एक गंभीर समस्या बन चुका है। जब युवा किसी भी ट्रेंड को बिना सोचे-समझे केवल इसलिए अपनाते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है या "कूल" माना जा रहा है, तब उनका व्यक्तित्व उधार का हो जाता है। फैशन तब समस्या बनता है जब वह सोच पर हावी हो जाए और पहचान को केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित कर दे। सवाल दाढ़ी रखने या न रखने का नहीं है; सवाल यह है कि क्या हम अपने चुनाव के कारण जानते हैं, या सिर्फ़ भीड़ के साथ चल रहे हैं? इस संदर्भ में सिनेमा और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर चर्चा ज़रूरी है। मनोरंजन उद्योग न केवल कहानियाँ सुनाता है, बल्कि जीवन-शैली के मानक भी गढ़ता है। बार-बार एक ही तरह के "लुक", "स्टाइल" और "हीरोइज़्म" को आदर्श बनाकर प्रस्तुत करने से युवाओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। इससे विविधता कम होती है और एकरूपता बढ़ती है। जिम्मेदार मीडिया वही है जो समाज की बहुलता को दिखाए—जहाँ सादगी भी आकर्षक हो, और अलग-अलग व्यक्तित्व भी स्वीकार्य हों। लेकिन दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम दिखावे और मूल्य में अंतर करना सीखें। ईश्वर, संस्कृति और सौंदर्य की चर्चा में भी संतुलन आवश्यक है। हमारी परंपराएँ अत्यंत विविध रही हैं। कहीं जटाधारी तपस्वी हैं, तो कहीं सुसज्जित देव-प्रतिमाएँ; कहीं वैराग्य है, तो कहीं श्रृंगार। सौंदर्य का अर्थ केवल बाहरी रूप नहीं, बल्कि आचरण, करुणा, संयम और विवेक है। यदि हम सौंदर्य को केवल चेहरे, दाढ़ी या फैशन तक सीमित कर दें, तो हम अपनी ही सांस्कृतिक गहराई को कम कर देते हैं। आज के युवाओं के सामने असली खतरा किसी एक फैशन से नहीं, बल्कि आत्मबोध की कमी से है। जब युवा अपने इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक बहुलता को समझते हैं, तब वे किसी भी ट्रेंड को अपनाएँ—या न अपनाएँ—वह उनका सजग और स्वतंत्र निर्णय होता है। लेकिन जब पहचान केवल बाहरी प्रतीकों पर टिक जाती है, तब भ्रम पैदा होता है और व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो जाता है।

तीन स्पिनरों के साथ उतरेगा भारत!

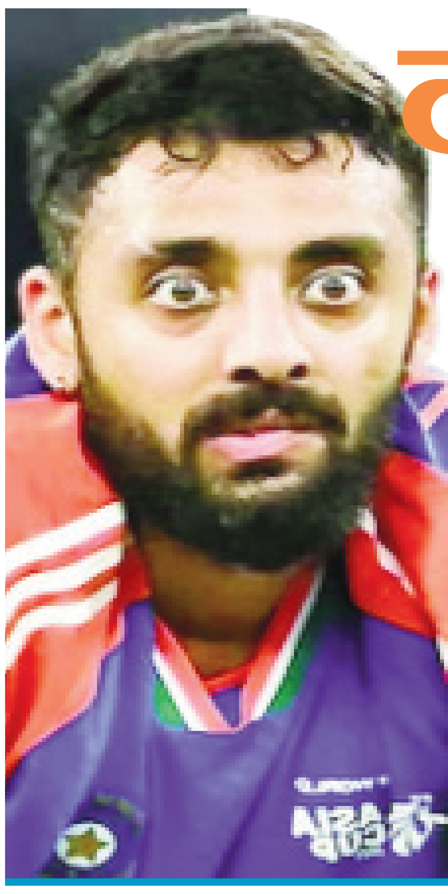

अभिषेक के अस्वस्थ होने से बढ़ी टीम इंडिया की चिंता

कोलंबो, एजेंसी। इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध अस्थायी तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अनफिट होना चिंता का विषय है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेल पाते हैं या नहीं।

सैमसन को फिर मिलेगा मौका?

अगर अभिषेक शर्मा नहीं खेलते हैं संजू सैमसन को दोबारा मौका मिलेगा, इसकी संभावना कम है। भारतीय टीम प्रबंधन चाहेगा कि इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए अभिषेक चयन के लिए उपलब्ध हों जिससे शीर्ष क्रम पर स्थिरता आ सके। हालांकि, भारतीय थिंक टैंक के दिमाग में यह भी चिंता होगी कि सैमसन को ही उतारा जाए या ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाए जो फिट हो गए हैं। सुंदर प्रेमादासा स्टेडियम की धीमी पिच पर अच्छी ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं।

कुलदीप प्लेइंग-11 में हो सकते हैं शामिल

पिच को देखते हुए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है। ऐसे में रिंकू सिंह या अर्शदीप सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा। कुलदीप को अब तक विश्व कप के शुरुआती दो मैचों में एकादश में जगह नहीं मिली है। अगर कुलदीप इस मुकाबले में खेलते हैं तो भारत संभवतः तीन स्पिनरों के साथ खेलने उतरे क्योंकि उसके पास कुलदीप के अलावा वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के रूप में दो अच्छे स्पिनर भी मौजूद हैं।

बल्लेबाजी में करना होगा सुधार

विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है। अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे, जबकि नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गई। दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या ने संकटमोचक की भूमिका निभाई। लेकिन बड़े टूर्नामेंट में एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। जसप्रीत बुमराह से लेकर वरुण चक्रवर्ती तक भारत के पास मैच विनर हैं और ऑलराउंडर शिवम दुबे की गेंदबाजी भी बेहतर हुई है।

टी-20 वर्ल्डकप में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, टकर ने नाबाद 94 रन बनाए

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के 22वें मुकाबले में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला टीम के लिए उलटा साबित हुआ। आयरलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 235 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। लॉर्कन टकर (94*) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जोशुआ लिटिल ने 3 विकेट लिए – टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान के लिए ओपनर आमिर कलीम ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 29 हॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 बॉल पर 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 3, मैथ्यू हम्फ्रीज और बैरी मैकार्थी ने 2-2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल को 1 विकेट मिला। आशीष ओडेदरा और हम्माद मिर्जा रन आउट हुए।

टकर ने नाबाद 94 रन बनाए – आयरलैंड के लिए कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने शानदार अर्धशतक जड़े। टकर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि डेलानी ने 30 गेंदों में 56 रन बनाए। वहीं जॉर्ज डॉकरेल ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के जड़ते हुए महज 9 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाकर पारी को धमाकेदार अंदाज में समाप्त किया। ओमान की ओर से शकील अहमद ने 3 विकेट झटके, जबकि शाह फैजल और आमिर कलीम को 1-1 सफलता मिली।

प्लेइंग-11

- **ओमान**– जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, आशीष ओडेदरा, मोहम्मद नदीम, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), नदीम खान, सुफयान महमूद, शाह फैजल, शकील अहमद।
- **आयरलैंड**– रॉस अडायर, टिम टेक्टर, हैरी टेक्टर, लॉर्कन टकर (विकेटकीपर/कप्तान), कर्टिस कैम्फर, जॉर्ज डॉकरेल, गैरेथ डेलानी, मार्क अडायर, बैरी मैकार्थी, मैथ्यू हम्फीज, जोशुआ लिटिल।

व्यापार

अशीष कचोलिया के निवेश वाली कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। आशीष कचोलिया के निवेश वाली कंपनी ज़ैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज़ की स्थिति शेयर बाजार में काफी खराब है। कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट का जारी है। शुक्रवार को इस फिनटेक कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जिसके बाद शेयरों का भाव 289.50 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। ज़ैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज़ ने दी जानकारी में बताया है कि उनका नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 77.70 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 20 करोड़ रुपये रहा था। तीसरी तिमाही में अशीष कचोलिया के निवेश वाली कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशंस) पर 497.60 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 336 करोड़ रुपये रहा था। अशीष कचोलिया के निवेश वाली कंपनी का शेयर पिछले दो महीने से काफी दबाव में है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं,ज़ैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज़ के शेयर रिकॉर्ड हाई 597 रुपये (दिसंबर 2024) से 51.25 प्रतिशत टूट चुका है। लक्ष्मी श्री के रिसर्च हेड अंशुल जैन कहते हैं, यह शेयर अपने सपोर्ट बैंड 298 रुपये से 314 रुपये के नीचे आ गया है। जोकि डिमांड में कमी को दर्शाता है।

तेजी से लोकप्रिय होता एक क्रेडिट कार्ड- लाखों लोग इसे ले चुके हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कई वर्षों से भारत में क्रेडिट कार्ड मिलने या न मिलने का एक बड़ा कारण क्रेडिट हिस्ट्री रहा है। जिन लोगों के पास पहले कोई लोन या उधार का रिकॉर्ड नहीं होता था, उन्हें अक्सर क्रेडिट कार्ड नहीं मिल पाता था, भले ही वे अपने रोजमर्रा के पैसों को अच्छी तरह संभालते हों। पिछले एक साल में सुपर.मनी नाम के एक प्रमुख यूपीआई आधारित फिनटेक ऐप ने इस समस्या को हल किया है। यह ऐप भरोसेमंद बैंकों (कोटक 811 और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक) के साथ मिलकर सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड के जरिए लोगों को क्रेडिट की सुविधा दे रहा है। यह सुविधा खासतौर पर उन लोगों के लिए

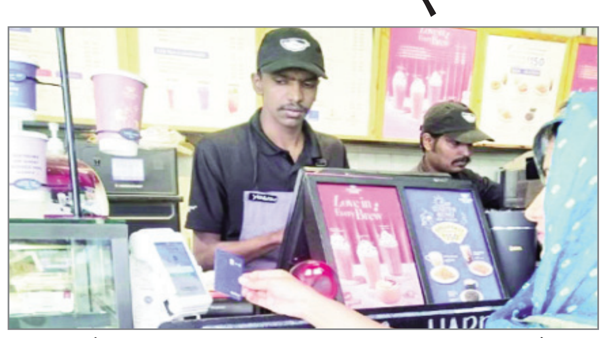

फायदेमंद है जो क्रेडिट सिस्टम में नए हैं, जैसे कि छात्र, पहली बार नौकरी करने वाले युवा और गृहिणियां आदि।

सुपर.मनी ने भारत में यूपीआई पर आधारित सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की है, जिससे लाखों नए लोगों को पहली बार क्रेडिट की सुविधा मिली है। इस सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड से लोग रोज़मर्रा के छोटे खर्च और बड़ी खरीदारी दोनों के लिए ही आसान यूपीआई पेमेंट कर सकते हैं।

यह कार्ड रुपे पर काम करता है और यूपीआई से पेमेंट की सुविधा देता है। इससे लोग किराना खरीदने, बिल भरने और ऑनलाइन शॉपिंग आसानी से कर सकते हैं। इसका उद्देश्य है रोज़मर्रा के खर्च को आसान बनाना।

पूरे भारत में पार्टनर बैंकों के जरिए लाखों सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे यह इस श्रेणी का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला प्रोडक्ट बन गया है। तेलंगाना, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के ग्राहक इस नए जमाने के क्रेडिट कार्ड को तेजी से अपना रहे हैं। एक अच्छी क्रेडिट हिस्ट्री भविष्य में मिलने वाले फाइनेंशियल मौकों के लिए बहुत ज़रूरी होती है। जैसे एजुकेशन लोन, होम लोन और कम ब्याज दर।

7 बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

2 हिस्सों में बंट रहा है स्टॉक, रिकॉर्ड डेट तय, कीमत 100 रुपये से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा किया है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि शेयरों का बंटवारा दो हिस्सों में किया जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। जोकि होली के बाद है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। बता दें, मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा है कि स्टॉक स्प्लिट के लिए 6 मार्च 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। मीरा इंडस्ट्रीज ने 2020 में बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने 5 शेयर पर 7 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। बता दें, बीएसई के डाटा के अनुसार इस कंपनी ने पहली और आखिरी बार ही बोनस शेयर 2020 में दिया था। इस कंपनी ने 2025 में बार निवेशकों को डिविडेंड दिया था। पिछले साल आखिरी बार कंपनी ने 0.50 रुपये का डिविडेंड एक शेयर पर दिया था। उससे पहले 2024 में कंपनी की तरफ से बोनस शेयर दिया गया था। मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों का भाव शुक्रवार को बीएसई में 0.04 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में 72.24 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयोरं की कीमतों में 19.90 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में पोजीशनल निवेशकों को इस स्टॉक ने 11 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 8.52 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। बता दें, मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 52 वीक हाई 103.46 रुपये और 52 वीक लो लेवल 54 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 77.14 करोड़ रुपये का है। दो साल में मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत और तीन साल में 68 प्रतिशत की तेजी आई है।

नेट प्रॉफिट 96 प्रतिशत लुढ़का, फिर भी बोनस शेयर और डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड और बोनस शेयर का भी ऐलान किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी शुक्रवार को एक्सचेंज के साथ साझा किया था। कंपनी ने हर एक शेयर पर 7 प्रतिशत डिविडेंड देने का फैसला किया है।

स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी मेंआईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने बताया है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 0.07 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 19 फरवरी की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम इस दिन रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें 70 प्रतिशत का डिविडेंड का लाभ मिलेगा। कंपन ने 2025 में तीन बार निवेशकों को डिविडेंड दिया था। आखिरी बार कंपनी 18 नवंबर 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी।

आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस बोनस शेयर के लिए भी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है।

शुक्रवार को आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड के शेयर बीएसई में शुक्रवार को 1.24 प्रतिशत की गिरावट के बाद 43.97 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7.48 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल पहले शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 11.10 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। कंपनी का 52 वीक हाई 54.38 रुपये और 52 वीक लो लेवल 38.57 रुपये है।आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड का मार्केट कैप 26553 करोड़ रुपये का है। तीन साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 51 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 5 साल में यह स्टॉक 303 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। इस कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 30.42 प्रतिशत और पब्लिक की हिस्सेदारी 69.58 प्रतिशत है। कंपनी के नेट प्रॉफिट में भारी गिरावट आई है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि अक्टूबर से दिसंबर के दौरान नेट प्रॉफिट 210.79 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 96.50 प्रतिशत गिरा है।

क्यू3 रिजल्ट के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों पर दांव लगाना रहेगा सही: एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्यादातर कंपनियों ने दिसंबर तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। अब सवाल खड़ा हुआ है कि कौन सी डिफेंस कंपनी के शेयरों पर दांव लगाना सही रहेगा? बजट में इस बार भारत सरकार ने डिफेंस बजट को 15.20 प्रतिशत का इजाफा किया है। इस बार बजट में 7.85 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

शेयर बाजार पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का कहना है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का प्रदर्शन दिसंबर तिमाही के शानदार रहा है। बीडीएल के नेट प्रॉफिट में गिरावट आई है। वहीं, मार्जिन भी 5 प्रतिशत के नीचे आ गया। नवर प्रतिशत कंपनी बीईएल ने दिसंबर तिमाही में बेहतर प्रदर्शन किया है। इन सबके अलावा मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के रेवन्यू और नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर बढ़ा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का रेवन्यू सालाना आधार पर 10.70 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 29.60 प्रतिशत बढ़ा है। बीईएल का रेवन्यू

का सालाना आधार पर 23.70 प्रतिशत और प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 20.80 प्रतिशत बढ़ा है। दोनों कंपनियों के पास कई बड़े वर्क ऑर्डर हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि दोनों कंपनियां बढ़े प्रोजेक्ट को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। ग्लोबल सिक्योरिटीज ने मझगांव डॉक के परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रिजल्ट कमजोर रहा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीडीएल के नतीजे चिंताजनक रहा है। कंपनी का रेवन्यू सालाना आधार पर 31.90 प्रतिशत घटा है। लक्ष्मीश्री के रिसर्च हेड अंशुल जैन कहते हैं, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिट्रेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के तिमाही नतीजों के बाद बीईएल को ज्यादा सपोर्ट दिख रहा है। यह स्टॉक मजबूत रिलेटिव स्ट्रेंथ को दर्शाता है। एक्सपर्ट का कहना है कि बीईएल के शेयर के लिए नया प्रोजेक्शन 485 रुपये से 495 रुपये के स्तर को सपोर्ट करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)